मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

उत्तरशक्ति

हिन्दी दैनिक

मुंबई
वर्षः 9 अंक 05
शुक्रवार, 10 जुलाई 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

अवैध इमारतों पर सुप्रीम कोर्ट का चाबुक, एमसीडी अफसरों से पूछा- सिर्फ बिल्डर क्यों, अपने अधिकारियों पर क्या एक्शन?

नई दिल्ली, 09 जुलाई। देश भर में गैर-कानूनी और असुरक्षित इमारतों और ढांचों से जुड़े एक मामले में, सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली, गुरुग्राम, लखनऊ, पटना और तमिलनाडु में नगर निगमों और विकास प्राधिकरणों के सीनियर अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए हैं। कोर्ट ने उनसे उन इमारतों के खिलाफ की गई कार्रवाई की स्टेटस रिपोर्ट मांगी है, जिनसे सुरक्षा का गंभीर खतरा है। दिल्ली के साकेत में हाल ही में इमारत गिरने की दुखद घटना और दिल्ली के मालवीय नगर व लखनऊ के अलीगंज में आग लगने की घटनाओं का संज्ञान लेते हुए, जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और जस्टिस आर. महादेवन की बेंच ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे कोर्ट के 20 मई के आदेशों के पालन में की गई कार्रवाई की जानकारी कोर्ट के सामने रखें। संबंधित अधिकारियों को 4 अगस्त को सुनवाई की अगली तारीख पर कोर्ट में व्यक्तिगत रूप से मौजूद रहने का भी निर्देश दिया गया है। कोर्ट ने साकेत, मालवीय नगर और लाजपत नगर का तय समय-सीमा के भीतर जमीनी सर्वे करने के लिए IIT दिल्ली के दो सीनियर प्रोफेसरों और दो ड्राफ्ट्समैन की एक विशेष टीम बनाने का भी निर्देश दिया। इस टीम के साथ दिल्ली नगर निगम (MCD) के अधिकारी भी होंगे। सरोजिनी नगर में भी इसी तरह की प्रक्रिया अपनाई जाएगी, जो नई दिल्ली नगर परिषद (NDMC) के अधिकार क्षेत्र में आता है। कोर्ट ने कहा कि इस प्रक्रिया में कोई लापरवाही नहीं होनी चाहिए और समिति को एक ईमानदार रिपोर्ट सौंपनी

चाहिए। कोर्ट ने कहा, हम यह स्पष्ट करते हैं कि समिति द्वारा ईमानदार रिपोर्ट देने के मामले में कोई लापरवाही नहीं होनी चाहिए। अगर कोई संदेह पैदा होता है, तो हम रिपोर्ट की ईमानदारी सुनिश्चित करने के लिए इस कोर्ट से एक विशेष टीम भेज सकते हैं। कोर्ट ने 'एमिकस क्यूरी' (कोर्ट द्वारा नियुक्त वकील) की इस बात से भी सहमति जताई कि अधिकारी केवल अपनी साख बचाने की कोशिशर कर रहे हैं। वे इमारत गिरने और आग लगने की घटनाओं के बाद सिर्फ.बिल्डरों को गिरफ़्तार करते हैं, लेकिन अपने उन अधिकारियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं करते जो अवैध निमार्णों के खिलाफ कार्रवाई करने में नाकाम रहे। कोर्ट ने कहा, अधिकारी केवल अपनी साख बचाने की कोशिश कर रहे हैं, क्योंकि सिर्फ.बिल्डरों को गिरफ़्तार किया जा रहा है और अधिकारियों या निगमों के किसी भी अधिकारी के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। कोर्ट ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे अपनी रिपोर्ट में ऐसी नाकामियों के लिए ज़िम्मेदार वरिष्ठ अधिकारियों के नाम बताएं। कोर्ट ने 'हिंदुस्तान टाइम्स' अखबार के दिल्ली संस्करण में छपी हालिया खबर पर भी ध्यान दिया, जिसमें बताया गया था कि गुरुग्राम में 93 प्रतिशत संस्थान आग से सुरक्षा के नियमों का पालन नहीं कर रहे हैं। इस मामले में, कोर्ट ने गुरुग्राम विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यकारी अधिकारी को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित रहने और 20 मई के निदेशों के पालन में उठाए गए वास्तविक कदमों का विवरण देते हुए रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया।

चीन की जूता फैक्ट्री में लगी भीषण आग, अब तक 28 लोगों की मौत

जिनजियांग, 09 जुलाई। पूर्वी चीन के फुजियान प्रांत के जिनजियांग शहर में एक बड़ा हादसा सामने आया है। यहां की 'हुइतेंग शूज' फैक्ट्री में गुरुवार दोपहर भीषण आग लगने से कम से कम 28 लोगों की मौत हो गई है। सरकारी मीडिया के अनुसार, आग इतनी भयानक थी कि देखते ही देखते पूरी इमारत धुएं के गुबार में घिर गई।

हादसा दोपहर करीब 12 बजे हुआ। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि फैक्ट्री में काम कर रहे दर्जनों कर्मचारी अंदर ही फंस गए। सोशल मीडिया और सीसीटीवी फुटेज में देखा गया कि लोग जान बचाने के लिए खिड़कियों के पास और इमारत की छत पर जमा थे, जबकि नीचे की मंजिलों से काला धुआं निकल रहा था।

स्थानीय दमकल विभाग के प्रमुख डू झेंझोउ ने बताया कि जूता बनाने में इस्तेमाल होने वाले ज्वलनशील पदार्थ और एडहेसिव (गोंद) की वजह से आग तेजी से फैली। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि सीढ़ियों और निकास द्वारों पर जूतों का कच्चा माल भरा होने के कारण बचाव दल को ऊपरी मंजिलों तक पहुंचने में भारी मशक्कत करनी पड़ी। राहत कार्य के लिए 183 बचावकर्मी और 35 वाहन मौके पर तैनात किए गए थे।

चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने इस घटना में हुई ₹भारी जनहानि₹ पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं कि राहत और बचाव कार्यों में कोई कसर न छोड़ी जाए और इस हादसे के लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। राष्ट्रपति ने हाल के दिनों में हुए कई औद्योगिक हादसों का जिक्र करते हुए सुरक्षा मानकों को और कड़ा करने की आवश्यकता पर जोर दिया है। चीन में हाल के महीनों में आग लगने की कई बड़ी घटनाएं सामने आई हैं। इससे पहले हांगकांग में एक ऊंची इमारत में लगी आग में 168 लोगों की मौत हो गई थी, जिसके बाद देश भर में अग्नि सुरक्षा अभियान चलाया गया था। इसके अलावा, मई में एक पटाखा फैक्ट्री में हुए विस्फोट में भी 37 लोग मारे गए थे।

मध्य प्रदेश में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी के भाई को पुलिस ने किया गिरफ्तार

इंदौर, 09 जुलाई। मध्य प्रदेश की राजनीति में गुरुवार को उस समय हलचल मच गई जब कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी के भाई नाना पटवारी को पुलिस द्वारा हिरासत में लिए जाने की जानकारी सामने आई। खबर मिलते ही इंदौर स्थित जीतू पटवारी के निवास पर कांग्रेस नेताओं और कार्यकताओं का जमावड़ा लग गया। शहर कांग्रेस अध्यक्ष चिंटू चौकसे ने भी नाना पटवारी को हिरासत में लिए जाने की पुष्टि की है।

जानकारी के अनुसार, नाना पटवारी का नाम पहले से चल रही एक जांच में सामने आया था। पुलिस को मिले साक्ष्यों के आधार पर उन्हें पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। हालांकि, पुलिस ने अब तक हिरासत की वजह और आगे की कार्रवाई को लेकर कोई विस्तृत आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है।

उधर, जीतू पटवारी के घर पहुंचे कांग्रेस नेताओं और कार्यकताओं की लगातार आवाजाही जारी रही। इसी दौरान सामने आए कुछ वीडियो और तस्वीरों में कई नेता आपस में हंसी-मजाक और सामान्य बातचीत करते नजर आए। इन तस्वीरों और वीडियो के सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद राजनीतिक गलियारों में नई चचाएं शुरू हो गईं। कई लोग सवाल उठा रहे हैं कि ऐसे संवेदनशील समय में नेताओं का यह व्यवहार क्या संदेश देता है। फिलहाल कांग्रेस पूरे घटनाक्रम पर नजर बनाए हुए है, जबकि पुलिस की अगली कार्रवाई और आधिकारिक जानकारी का इंतजार किया जा रहा है। यह मामला अब प्रदेश की राजनीति में चर्चा का बड़ा विषय बन गया है।

मल्लिकार्जुन खड़गे ने का मोदी सरकार पर हमला

नई दिल्ली, 09 जुलाई। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने 9 जुलाई को नरेंद्र मोदी सरकार पर आरोप लगाया कि गलवान घाटी में हुई झड़प के बाद के छह सालों में सरकार ने चीन के सामने भारत के हितों से समझौता किया है। उन्होंने कहा कि 2020 में 20 भारतीय सैनिकों की शहादत के बावजूद, बीजिंग ने भारतीय अर्थव्यवस्था के कई अहम क्षेत्रों पर अपना नियंत्रण मजबूत कर लिया है। पर एक पोस्ट में, खड़गे ने कहा कि गलवान झड़प के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चीन को क्लीन चिट दे दी थी। उन्होंने कहा कि फार्मास्यूटिकल्स, इलेक्ट्रिक गाड़ियां, सोलर एनर्जी और जरूरी खनिजों जैसे उद्योगों में चीनी आयात पर भारत की बढ़ती निर्भरता सरकार की आर्थिक और रणनीतिक नीतियों की विफलता को दिखाती है। दक्षिण-एशियाईऔर प्रवासी

खरगे ने कहा कि 6 साल पहले, गलवान में हमारे 20 बहादुर सैनिकों की शहादत के बाद नरेंद्र मोदी ने चीन को 'क्लीन चिट' दे दी थी। हमारे बहादुर सैनिकों ने शहादत को चुना, लेकिन मोदी सरकार ने भारत के हितों को चीन के सामने सरेंडर कर दिया। उन्होंने इस टकराव के बाद भारतीय अर्थव्यवस्था के अहम सेक्टर में चीन के बढ़ते असर को दिखाने के लिए इंपोर्ट और ट्रेड के आंकड़े पेश किए। खरगे ने कहा ट्रेडः गलवान के बाद से, 2025-26 तक चीन से इंपोर्ट में 101.81% की भारी बढ़ोतरी हुई है, जिससे भारत का ट्रेड घाटा बढ़कर $112.1 बिलियन हो गया है। फार्मास्यूटिकल्स के बारे में उन्होंने आरोप लगाया कि भारत के एंटीबायोटिक इंपोर्ट का 86% हिस्सा चीन से आता है। क्यों? 2024-25 में भारत के अढक बल्क ड्रग और ड्रग इंटरमीडिएट इंपोर्ट का लगभग

74% हिस्सा चीन के पास था। इलेक्ट्रिक वाहनों पर खड़गे ने कहा कि EVs: भारत में EV के पार्ट्स का 66% आयात अभी भी चीन से होता है। भारतीय EVs में इस्तेमाल होने वाली लगभग 75% लिथियम-आयन बैटरी आयात की जाती हैं, और इनमें से ज्यादातर चीन से आती हैं। 2025-26 में भारत ने लगभग 93% परमानेंट मैग्नेट चीन से आयात किए।

रिन्यूएबल एनर्जी के बारे में उन्होंने कहा कि सोलर पावरः सोलर एनर्जी पर मोदी सरकार की तमाम खोखली बातों के बावजूद, यह हैरानी की बात है कि 2025-26 में भारत के अनडिफ्यूज्ड सिलिकॉन वेफर आयात का 99% से ज्यादा हिस्सा चीन ने सप्लाई किया। यह उस सेक्टर पर लगभग पूरी तरह कब्जा है जिसे मोदी जी 'आत्मनिर्भर भारत' के तहत बढ़ावा देने का दावा करते हैं। ये अनडिफ्यूज्ड सिलिकॉन वेफर ही हमारे सोलर सेल का आधार हैं।

खरगे ने सरकार की इस बात के लिए भी आलोचना की कि उसने चीन से जुड़ी चार कंपनियों को सरकारी बिजली परियोजनाओं के लिए बोली लगाने की इजाजत देने के मकसद से पाबंदियों में ढील दी है। उन्होंने कहा कि अब मोदी सरकार ने अपने 'झूला दोस्त' के लिए रेड कार्पेट बिछा दिया है और चीन से जुड़ी चार कंपनियों को भारत की सरकारी बिजली परियोजनाओं के लिए बोली लगाने की इजाजत देने के लिए पाबंदियों में ढील दी है।

दिल्ली में भारी बारिश के बाद जलभराव, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और मंत्री परवेश सिंह ने लिया जायजा

नई दिल्ली, 09 जुलाई। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में भारी बारिश के बाद दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बृहस्पतिवार को अपने विधानसभा क्षेत्र के शालामार गांव में जल निकासी व्यवस्था का निरीक्षण किया और अधिकारियों को उचित जल निकासी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। अधिकारियों ने कहा कि दिल्ली में भारी मानसूनी बारिश के बीच सरकार और सभी विभाग जलभराव से निपटने के लिए पूरी तत्परता से काम कर रहे हैं।

लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) मंत्री परवेश साहिब सिंह ने भी जल निकासी व्यवस्था की समीक्षा करने के लिए आईटीओ में पीडब्ल्यूडी के नियंत्रण कक्ष का दौरा किया। उन्होंने कहा कि ज्यादातर मामलों में जमा हुए पानी को निकाल दिया गया है और स्थिति पिछले वर्षों की तुलना में बेहतर है।

सिंह ने संवाददाताओं से कहा, ₹हमने वादा किया था कि हम दिल्ली के लिए एक उचित जल निकासी व्यवस्था बनाएंगे ताकि लोग वास्तव में बारिश का आनंद ले सकें। पिछले 24 घंटों में, दिल्ली में 100 मिलीमीटर से अधिक बारिश हुई है। उसके बाद भी, मिंटो ब्रिज पर यातायात सुचारू रूप से चल रहा है, लेकिन वहां पहले बड़ी बसें और अन्य वाहन फंस जाते थे।

उन्होंने कहा कि पीडब्ल्यूडी और सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग जैसी एजेंसियां मानसून का स्वागत करने के लिए तैयार हैं। मंत्री ने कहा, जहां भी पानी जमा हुआ है, वह 30 मिनट के अंदर निकाल दिया गया।

सपा-कांग्रेस ने बुंदेलखंड के युवाओं को तमंचे दिए, हमने तस्वीर बदली : योगी आदित्यनाथ

बांदा, 09 जुलाई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को समाजवादी पार्टी (सपा) और कांग्रेस पर आरोप लगाया कि उनकी सरकारों ने बुंदेलखंड को डकैत और स्थानीय युवाओं को तमंचे पकड़ा दिये थे, मगर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार ने मूलभूत ढांचे, रोजगार और डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के जरिये इस पिछड़े इलाके

की तस्वीर ही बदल दी है। इतिहास

योगी ने बांदा और बबेरू विधानसभा क्षेत्रों में 710 करोड़ रुपये की लागत वाली 229 विकास परियोजनाओं के उद्घाटन/शिलान्यास और विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि जो बुंदेलखंड कभी पलायन, सूखे और खराब कानून-व्यवस्था के लिए जाना जाता था, वह भाजपा की 'डबल-इंजन सरकार' के राज में यातायात सम्पर्क, निवेश और डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग का केंद्र बनकर उभरा है।

मुख्यमंत्री ने कहा, 'आज बुंदेलखंड के पास अपना एक्सप्रेस वे है और यहां डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग कॉरिडोर बन रहा है... लेकिन याद करिये, समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के लोगों ने यहां डकैत दिए थे। नौजवानों को नौकरी तो नहीं दी लेकिन उनके हाथ में तमंचे पकड़ा दिये थे और हमारी सरकार अब बुंदेलखंड को डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग कॉरिडोर का एक हब बना रही है।'

उन्होंने कहा कि इस कॉरिडोर के माध्यम से सरकार ब्रह्मोस जैसी मिसाइल बनाती है और वह मिसाइल जब दुश्मन पर दागी जाती है तो पाकिस्तान भी 'बाप-बाप' करके चिल्लाता दिखाई देता है।

TIWARI'S SARASWATI CLASSES
Since 1992
Parents' First Choice for 34+ Years
Prof. Dr. Dayanand Tiwari
Founder & Academic Director
ADMISSIONS OPEN
9th | 10th | 11th | 12th SCIENCE
NEET | JEE | MHT-CET
10 DAYS FREE DEMO
Attend Classes • Experience Our Teaching
Take Admission After Satisfaction
(No Hidden Conditions)
✓ 34+ Years of Academic Excellence
✓ Experienced & Dedicated Faculty
✓ Personal Attention
✓ Printed Notes & Regular Tests
✓ Strong Foundation for Boards & Competitive Exams
Santacruz Branch
101 Sai Chambers, Opp. Santacruz Railway Station (East), Near Depot, Santacruz (E), Mumbai-400055
Sion Branch
Opp. SIES College (Old), Near Gurukripa Hotel, Sion (West), Mumbai
Limited Seats / Small Batch Size
CALL NOW:
7738007373

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37
* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकिस्ता उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकिस्ता सुविधा उपलब्ध

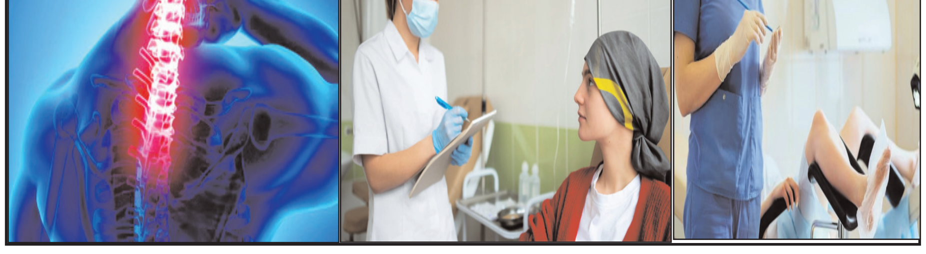

NEW LIGHT CLASSES
TRADITION OF EXCELLENCE
2nd Floor, Sheetal Bldg. Near Diam ond Talkies, L. T. Road, Borivali (West) Mumbai - 400 092 Maharashtra
ADMISSIONS OPEN
ALL OVER INDIA
ENROLL NOW

SMART CLASSROOM
(ONLINE/OFFLINE)
Courses Offered
• Std. XI & XII (Sci.)
• NEET
• JEE (Main & Advance)
• MHT-CET
• Polytechnic & Engg
• Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)
M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

भारतीय वायुसेना की बढ़ती ताकत

- महेन्द्र तिवारी

भारतीय वायुसेना को लेकर हाल ही में सामने आई विश्व स्तर की रैंकिंग ने एक बार फिर यह सिद्ध कर दिया है कि आधुनिक युद्ध केवल हथियारों की संख्या से नहीं, बल्कि उनकी गुणवत्ता, संचालन क्षमता, प्रशिक्षण, तकनीकी दक्षता और रणनीतिक तैयारी से जीते जाते हैं। वर्ल्ड डायरेक्टरी ऑफ मॉडर्न मिलिट्री एयरक्राफ्ट यानी हडब्टअ द्वारा जारी नवीनतम ग्लोबल एयर पावर रैंकिंग में भारत को चीन से ऊपर स्थान दिया गया है। यह उपलब्धि केवल एक रैंकिंग भर नहीं है, बल्कि पिछले कई वर्षों से भारतीय वायुसेना द्वारा किए जा रहे आधुनिकीकरण, बेहतर प्रशिक्षण, तकनीकी उन्नयन और परिचालन क्षमता में निरंतर सुधार की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मिली मान्यता भी है। हडब्टअ ने 103 देशों की 129 सैन्य वायु इकाइयों तथा लगभग 48,082 सैन्य विमानों का अध्ययन करके यह मूल्यांकन तैयार किया है। इसमें केवल विमानों की संख्या नहीं, बल्कि उनकी वास्तविक युद्ध क्षमता, रखरखाव, उपलब्धता, तकनीकी स्तर, प्रशिक्षण, हथियार प्रणाली, लॉजिस्टिक सहायता और भविष्य की क्षमता जैसे अनेक पहलुओं को शामिल किया गया है।

रैंकिंग में अमेरिका की वायुसेना पहले स्थान पर है और उसके बाद अमेरिकी नौसेना तथा रूस की वायुसेना का स्थान आता है। इसके बाद अमेरिकी सेना और मरीन कॉर्प्स की विमानन शाखाएं हैं। भारतीय वायुसेना छठे स्थान पर है जबकि चीन की वायुसेना सातवें स्थान पर है। पहली नजर में यह परिणाम कई लोगों को चौंकाने वाला लग सकता है क्योंकि चीन के पास भारत की तुलना में कहीं अधिक संख्या में सैन्य विमान हैं। फिर भी भारत को आगे रखा गया है। इसका कारण यह है कि आधुनिक सैन्य मूल्यांकन में केवल संख्या निर्णायक नहीं होती। किसी भी वायुसेना की वास्तविक ताकत इस बात से तय होती है कि वह अपने विमानों का कितनी प्रभावी ढंग से उपयोग कर सकती है, उसके पायलट कितने प्रशिक्षित हैं, उसकी युद्धक रणनीति कितनी मजबूत है और वह किसी भी संकट की स्थिति में कितनी तेजी से प्रतिक्रिया देने में सक्षम है। भारतीय वायुसेना की सबसे बड़ी विशेषता उसका व्यापक परिचालन अनुभव है। स्वतंत्रता के बाद से भारत ने अनेक युद्धों, सीमित सैन्य अभियानों, आतंकवाद विरोधी अभियानों तथा मानवीय राहत कार्यों में अपनी वायु शक्ति का सफल उपयोग किया है। चाहे 1971 का युद्ध हो, कारगिल संघर्ष हो या हाल के वर्षों में सीमा पर उत्पन्न तनावपूर्ण परिस्थितियां, भारतीय वायुसेना ने समय पर, सटीक और प्रभावी कार्रवाई करके अपनी क्षमता का परिचय दिया है। इस लंबे अनुभव ने उसे केवल तकनीकी रूप से ही नहीं बल्कि रणनीतिक रूप से भी अधिक परिपक्व बनाया है। भारत ने पिछले एक दशक में वायुसेना के आधुनिकीकरण पर विशेष ध्यान दिया है। आधुनिक लड़ाकू विमान, लंबी दूरी की मिसाइलें, उन्नत रडार, नेटवर्क आधारित युद्ध प्रणाली, स्वदेशी तकनीकों का बढ़ता उपयोग और निगरानी क्षमता में उल्लेखनीय सुधार ने भारतीय वायुसेना को नई शक्ति प्रदान की है। फ्रांस से प्राप्त राफेल लड़ाकू विमानों ने भारतीय वायुसेना की मारक क्षमता में महत्वपूर्ण वृद्धि की है। इसके साथ आधुनिक मिसाइल प्रणालियों और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणाली भी जुड़ी हुई हैं, जिससे किसी भी संभावित संघर्ष में भारत की प्रतिक्रिया क्षमता पहले की तुलना में कहीं अधिक मजबूत हुई है। साथ ही तेजस जैसे स्वदेशी लड़ाकू विमान भारत की आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। भारत की भौगोलिक स्थिति भी उसकी वायु रणनीति को विशेष महत्व देती है। एक ओर पाकिस्तान की सीमा है तो दूसरी ओर चीन जैसी बड़ी सैन्य शक्ति। उत्तर में ऊंचे पर्वतीय क्षेत्र, पश्चिम में रेगिस्तान, पूर्वोत्तर के कठिन पर्वतीय इलाके और दक्षिण में विशाल समुद्री क्षेत्र भारतीय वायुसेना के सामने विविध प्रकार की चुनौतियां प्रस्तुत करते हैं। ऐसी परिस्थितियों में किसी भी वायुसेना को बहुआयामी क्षमता विकसित करनी पड़ती है। भारतीय वायुसेना ने इन सभी परिस्थितियों के अनुरूप प्रशिक्षण और संसाधनों का विकास किया है। यही कारण है कि उसकी परिचालन क्षमता को विश्व स्तर पर सराहा जा रहा है।

चीन के पास विमानों की संख्या अधिक होने के बावजूद भारत का आगे आना यह भी दर्शाता है कि आधुनिक युद्ध में गुणवत्ता का महत्व लगातार बढ़ रहा है। किसी देश के पास हजारों विमान होने से वह स्वतः सबसे शक्तिशाली नहीं बन जाता। यदि उन विमानों का रखरखाव, प्रशिक्षण, तकनीकी उन्नयन और युद्ध के समय उनका समन्वित उपयोग प्रभावी नहीं है तो संख्या का लाभ सीमित हो जाता है। हडब्टअ का मूल्यांकन इसी व्यापक दृष्टिकोण पर आधारित है। इसी कारण भारतीय वायुसेना को उसके वास्तविक परिचालन प्रदर्शन और समग्र युद्ध क्षमता के आधार पर बेहतर स्थान मिला है। हालांकि यह उपलब्धि महत्वपूर्ण है, लेकिन भारत के सामने कई चुनौतियां भी मौजूद हैं। भारतीय वायुसेना लंबे समय से अपने स्वीकृत लड़ाकू स्क्वाड्रनों की संख्या से कम स्क्वाड्रनों के साथ कार्य कर रही है। पुराने लड़ाकू विमानों को चरणबद्ध तरीके से सेवा से हटाया जा रहा है और उनकी जगह नए विमानों की आवश्यकता लगातार बनी हुई है। आने वाले वर्षों में तेजस के नए संस्करण, उन्नत मध्यम लड़ाकू विमान कार्यक्रम और पांचवीं पीढ़ी के स्वदेशी लड़ाकू विमान परियोजना जैसे कार्यक्रमों की सफलता भारत की वायु शक्ति को और अधिक मजबूत बनाएगी। भविष्य के युद्धों का स्वरूप भी तेजी से बदल रहा है। अब केवल लड़ाकू विमान ही निर्णायक नहीं होंगे बल्कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मानव रहित विमान, स्वार्म ड्रोन, साइबर युद्ध, अंतरिक्ष आधारित निगरानी, नेटवर्क आधारित कमान प्रणाली और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध जैसी तकनीकें भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। भारत इन क्षेत्रों में भी तेजी से निवेश कर रहा है। रक्षा अनुसंधान संस्थानों और निजी उद्योगों की भागीदारी बढ़ने से देश की रक्षा उत्पादन क्षमता में सुधार हो रहा है। आत्मनिर्भर भारत अभियान के अंतर्गत रक्षा उपकरणों का स्वदेशी निर्माण भविष्य में भारत की सामरिक स्वतंत्रता को और मजबूत करेगा। भारतीय वायुसेना केवल युद्ध लड़ने वाली संस्था नहीं है। प्राकृतिक आपदाओं, बाढ़, भूकंप, महामारी और अन्य संकटों के समय भी उसने हजारों लोगों की जान बचाई है। राहत सामग्री पहुंचाना, दूरदराज के क्षेत्रों से नागरिकों को निकालना, विदेशों से भारतीयों की सुरक्षित वापसी और मानवीय सहायता पहुंचाना उसके नियमित कार्यों का हिस्सा बन चुका है। इस कारण भारतीय वायुसेना की छवि केवल एक सैन्य शक्ति की नहीं बल्कि राष्ट्रीय सेवा के विश्वसनीय संगठन की भी है।

आज दुनिया में सैन्य शक्ति का अर्थ केवल आक्रमण की क्षमता नहीं बल्कि प्रभावी प्रतिरोध की क्षमता भी है। मजबूत वायुसेना किसी भी देश के लिए सुरक्षा कवच का कार्य करती है। यदि किसी देश की वायु शक्ति सक्षम होती है तो संभावित विरोधी भी आक्रामक कदम उठाने से पहले कई बार सोचने को विवश होता है। भारत की बढ़ती वायु शक्ति इसी दृष्टि से महत्वपूर्ण है क्योंकि यह क्षेत्रीय स्थिरता और राष्ट्रीय सुरक्षा दोनों को मजबूत करती है। भारत की उपलब्धि का एक और महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि इससे देश के रक्षा उद्योग और वैज्ञानिक समुदाय का मनोबल बढ़ेगा। स्वदेशी तकनीकों के विकास, अनुसंधान और नवाचार को नई गति मिलेगी। इससे रोजगार, औद्योगिक विकास और तकनीकी आत्मनिर्भरता को भी बढ़ावा मिलेगा। रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता केवल सैन्य आवश्यकता नहीं बल्कि आर्थिक और रणनीतिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह भी ध्यान रखना आवश्यक है कि किसी भी वैश्विक रैंकिंग को अंतिम सत्य नहीं माना जा सकता। विभिन्न संस्थाएं अलग-अलग मानकों के आधार पर मूल्यांकन करती हैं और उनके निष्कर्ष भी अलग हो सकते हैं। फिर भी यदि किसी प्रतिष्ठित संस्था द्वारा भारत की वायु शक्ति को चीन से बेहतर आंका गया है तो यह भारतीय वायुसेना की पेशेवर क्षमता, अनुशासन, प्रशिक्षण और तकनीकी दक्षता का महत्वपूर्ण संकेत अवश्य है। यह उपलब्धि संतोष का विषय है, लेकिन इसे अंतिम लक्ष्य मानने के बजाय आगे की तैयारी का आधार बनाया जाना चाहिए।

आने वाले वर्षों में भारत को अपने लड़ाकू विमान बेड़े का विस्तार, आधुनिक मिसाइल प्रणालियों का समावेश, स्वदेशी विमान निर्माण, ड्रोन तकनीक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित युद्ध प्रणाली और अंतरिक्ष आधारित सैन्य क्षमताओं में निरंतर निवेश करना होगा। यदि यह गति बनी रहती है तो भारतीय वायुसेना न केवल एशिया बल्कि विश्व की सबसे प्रभावशाली वायु सेनाओं में और मजबूत स्थान प्राप्त कर सकती है। वर्तमान रैंकिंग यह संदेश देती है कि आधुनिक युद्ध की दुनिया में केवल संसाधनों का आकार नहीं बल्कि उनकी गुणवत्ता, तैयारी, रणनीतिक सोच और निरंतर नवाचार ही किसी राष्ट्र को वास्तविक शक्ति प्रदान करते हैं। भारत ने इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ाए हैं और यही उसकी सबसे बड़ी उपलब्धि है।

सरहद पार की साज़िश और आंतरिक सुरक्षा की नई चुनौतियाँ

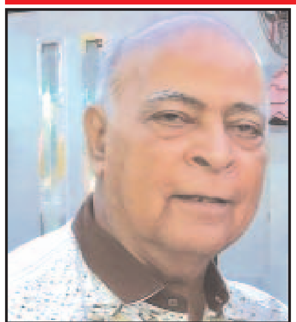
अशोक भाटिया

आज की ताजा खबर है कि चंडीगढ़ पुलिस ने सेक्टर-11 के एक दवा स्टोर के कैशियर जानकी दास की हत्या की जांच के दौरान पाकिस्तान समर्थित आईएसआई के एक बड़े अंतरराष्ट्रीय नार्को-टेरर और फेक करेंसी नेटवर्क का पदार्फाश किया है। पुलिस ने पंजाब के सीमावर्ती जिलों (तरनतारन और अमृतसर) में छापेमारी कर इस सिंडिकेट से जुड़े तीन और आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

दरअसल अक्सर जो अपराध सतही तौर पर स्थानीय रंजिश या लूटपाट की आम घटना दिखाई देते हैं, उनकी जड़ें देश की सीमाओं के पार तक फैली होती हैं। चंडीगढ़ के सेक्टर-11 में एक दवा स्टोर के कैशियर (जानकी दास) की नृशंस हत्या की जांच के दौरान चंडीगढ़ पुलिस ने जिस अंतरराष्ट्रीय सिंडिकेट का भंडाफोड़ किया है, वह इसी कड़वी हकीकत की तस्दीक करता है। इस हत्याकांड के सुरागों का पीछा करते हुए क्राइम ब्रांच जब पंजाब के सीमावर्ती जिलों–तरनतारन और अमृतसर–तक पहुँची, तो एक ऐसा खौफनाक मंजर सामने आया जिसने देश की आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था को झकझोर कर रख दिया है।यह केवल एक साधारण आपराधिक गिरोह नहीं था, बल्कि पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई द्वारा पोषित एक बड़ा 'नार्को-टेरर' (मादक पदार्थ-आतंकवाद) और जाली नोटों का नेटवर्क था। इस कार्रवाई में भारी मात्रा में मेथामफेटामाइन (नशीला पदार्थ), ?8 लाख के नकली नोट, और अवैध हथियार बरामद होना यह साबित करता है कि भारत के खिलाफ सीमा पार से जारी 'प्रॉक्सी वॉर' (छद्म युद्ध) ने अब नया और अधिक घातक रूप अख्तियार कर लिया है।

देखने वाली बात यह है कि पिछले कुछ दशकों में आतंकवाद का स्वरूप पूरी तरह बदल चुका है। अब यह केवल बंदूकों और बमों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसे 'हाइब्रिड वॉरफेयर' के रूप में लड़ा जा रहा है। नार्को-टेररिज्म इस रणनीति का सबसे खतरनाक हथियार है।इसके तहत एक तरफ सीमा पार से ड्रग्स भेजकर भारत की युवा पीढ़ी को शारीरिक और मानसिक रूप से खोखला किया जाता है, तो दूसरी तरफ उसी ड्रग्स की बिक्री से मिलने वाले काले धन का इस्तेमाल आतंकवादी गतिविधियों, हथियारों की खरीद और स्लीपर सेल्स को फंडिंग देने के लिए किया जाता है।इस विशिष्ट मामले में नशीले पदार्थों के साथ 'फेक इंडियन करेंसी नोट' (FICN) की बरामदगी यह दर्शाती है कि दुश्मन देश भारत की आर्थिक संप्रभुता पर भी समानांतर प्रहार कर रहा है। बाजार में नकली नोटों को खपाकर भारतीय मुद्रा की साख को कमजोर करने और महंगाई व अस्थिरता पैदा करने की यह एक सोची-समझी साज़िश है।

चंडीगढ़ पुलिस की जांच में जो सबसे चिंताजनक पहलू सामने आया है, वह है इस नेटवर्क द्वारा सीमा पार से तस्करी के लिए ड्रोन तकनीक का धड़ल्ले से इस्तेमाल। पंजाब की भौगोलिक स्थिति ऐसी है कि कटीले तारों और चौसीस घंटे की बीएसएफ (BSF) की चौकसी के बावजूद, आसमान के रास्ते को पूरी तरह सील करना एक बड़ी चुनौती बन गया है। पाकिस्तान में बैठे आका रात के अंधेरे में आधुनिक, कम आवाज वाले ड्रोनों के जरिए जीपीएस कोऑर्डिनेट्स का उपयोग कर हेरोइन, मेथामफेटामाइन और जाली नोटों के पैकेट भारतीय सीमा के भीतर गिरा देते हैं।स्थानीय स्तर पर 'ड्रॉप' उठाने वाले कूरियर सुरक्षा एजेंसियों के रडार से बचने के लिए अत्यधिक एनक्रिप्टेड डिजिटल मैसेजिंग प्लेटफॉर्म का उपयोग करते हैं। इस केस में गिरफ्तार आरोपी–गुरमीत सिंह उर्फ बादशाह, आकाश कुमार और सचिन सिलवेस्टर–इसी कॉपरेटिव नेटवर्क के प्यादे थे, जो तकनीक के सहारे देश विरोधी ताकतों के एजेंडे को जमीन पर उतार रहे थे।

इस पूरे खुलासे का सबसे स्याह और डरावना पहलू यह है कि इस अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क का मुख्य सूत्रधार या रणनीतिकार कोई बाहर घूम रहा अपराधी नहीं, बल्कि जेल की सलाखों के पीछे बंद गैंगस्टर धर्मिंदर सिंह उर्फ गोली है। यह घटना भारतीय कारागारों की सुरक्षा और प्रबंधन पर एक बहुत बड़ा प्रश्नचिह्न खड़ा करती है। एक खूंखार अपराधी जेल के भीतर बैठकर मोबाइल फोन, इंटरनेट और एनक्रिप्टेड ऐप्स के जरिए पाकिस्तान में आईएसआई के हैंडलर्स और बाहर जमीन पर सक्रिय अपने गुर्गों के बीच पुल का काम कर रहा था।जेलों का 'क्राइम हब' में बदल जाना यह दिखाता है कि तकनीक के इस दौर में हमारे जेल प्रशासन के पास या तो आधुनिक जैमर्स और सर्विलांस उपकरणों की कमी है, या फिर भ्रष्टाचार की जड़ें इतनी गहरी हैं कि देश की सुरक्षा दांव पर लगा दी जाती है। जब तक जेलों से गैंगस्टरों के नेटवर्क को पूरी तरह ध्वस्त नहीं किया जाएगा, तब तक बाहर सड़क पर पुलिस की हर कामयाबी अधूरी रहेगी।

गौरतलब है कि पंजाब ने अस्सी और नब्बे के दशक में उग्रवाद का एक लंबा और काला दौर देखा है। बड़ी कुर्बानियों के बाद वहां शांति बहाल हुई थी, लेकिन पिछले कुछ वर्षों से 'उड़ता पंजाब' की जो छवि बनी है, वह इसी नार्को-टेरर का परिणाम है।चंडीगढ़ पुलिस द्वारा इन सीमावर्ती जिलों में की गई छापेमारी बताती है कि इन क्षेत्रों में इस नेटवर्क की जड़ें कितनी गहरी हो चुकी हैं। बेरोजगार युवाओं को पैसों का लालच देकर इस दलदल में धकेला जा रहा है।आज का सबसे बड़ा खतरा यह है कि स्थानीय अपराधियों और वैचारिक रूप से प्रेरित आतंकवादियों के बीच की लकीर मिट चुकी है। अपराधी अब केवल फिरौती या डकैती नहीं कर रहे, बल्कि वे विदेशी ताकतों के हाथों के खिलौने बनकर देश के खिलाफ देशद्रोह के मामलों में सीधे शामिल हो रहे हैं। इस पूरे घटनाक्रम में चंडीगढ़ पुलिस की भूमिका अत्यंत सराहनीय रही है। एक स्थानीय हत्या के मामले को केवल एक 'ब्लाइंड मर्डर' मानकर फाइल बंद करने के बजाय, पुलिस ने इसके पीछे छिपे वृहद पैटर्न को समझा। चंडीगढ़ जैसे केंद्र शासित प्रदेश की पुलिस ने पंजाब पुलिस और केंद्रीय खुफिया एजेंसियों के साथ समन्वय स्थापित कर त्वरित कार्रवाई की। आरोपियों के फोन रिकॉर्ड्स, वित्तीय लेनदेन और कॉल डेटा के विश्लेषण से ही इस सिंडिकेट का पदार्फाश संभव हो सका। यह आधुनिक पुलिसिंग का एक बेहतरीन उदाहरण है कि कैसे डेटा और तकनीक का सही इस्तेमाल कर बड़े से बड़े सिंडिकेट को तोड़ा जा सकता है।

इस खुलासे ने सुरक्षा एजेंसियों के सामने कुछ अनिवार्य और कड़े कदम उठाने की आवश्यकता को रेखांकित किया हैः जैसे देश की सभी संवेदनशील जेलों में 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' आधारित सर्विलांस, आधुनिक 5G जैमर्स और नियमित औचक निरीक्षण अनिवार्य किए जाएं। जेल के भीतर मोबाइल का मिलना एक अक्षम्य राष्ट्रीय सुरक्षा अपराध माना जाना चाहिए।भारत-पाकिस्तान सीमा पर 'एंटी-ड्रोन सिस्टम' और लेजर फेंसिंग को बड़े पैमाने पर तैनात करने की गति तेज करनी होगी, ताकि आसमान से होने वाली इस अवैध सप्लाई चेन को हवा में ही नष्ट किया जा सके।इस नार्को-टेरर नेटवर्क की कमर तब तक नहीं टूटेगी जब तक इनके वित्तीय साम्राज्य को नेस्तनाबूद नहीं किया जाता। ईडी और एनआईए जैसी केंद्रीय एजेंसियों को इस सिंडिकेट की संपत्तियों को कुर्क करना चाहिए और हवाला नेटवर्क को ध्वस्त करना चाहिए।ड्रग्स और आतंकवाद का कोई राज्य नहीं होता। इसके लिए पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और चंडीगढ़ को मिलाकर एक संयुक्त, स्थायी 'नार्को-टेरर इंटेलिजेंस ग्रिड' बनाने की जरूरत है, जहां रीयल-टाइम सूचनाएं साझा की जा सकें। अब यह चंडीगढ़ पुलिस का यह खुलासा एक गंभीर चेतावनी है। यह हमें याद दिलाता है कि भारत के खिलाफ साजिश रचने वाली ताकतें कभी सोती नहीं हैं; वे लगातार अपनी रणनीतियां बदल रही हैं। सरहद पार बैठे आकाओं के मंसूबों को नाकाम करने के लिए हमारी सुरक्षा एजेंसियों को अपराधियों से दो कदम आगे रहना होगा।दवा स्टोर के कैशियर की जान तो वापस नहीं आ सकती, लेकिन उनकी मौत की जांच से जो सच बाहर आया है, उसने देश को एक बड़े खतरे के प्रति सचेत कर दिया है। अब समय आ गया है कि नार्को-आतंकवाद के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' की नीति को केवल बयानों में नहीं, बल्कि जमीन पर अत्यंत आक्रामकता के साथ लागू किया जाए। देश की संप्रभुता, युवाओं के भविष्य और हमारी आर्थिक स्थिरता की रक्षा के लिए इस पूरे नेटवर्क की जड़ों में तेजाब डालना आज की सबसे बड़ी जरूरत है।

विश्वनाथ धाम से विश्वस्तरीय संग्रहालय तक... क्या काशी का विकास अभी अधूरा है?

-सुरेश गांधी

सुबह के छह बजे। गंगा के घाटों पर सूरज की पहली किरण उतर रही है। अस्सी घाट पर योग और मंत्रोच्चार का संगम है। दशाश्वमेध घाट की सीढ़ियों पर देश-विदेश से आए श्रद्धालु कैमरों में काशी को कैद कर रहे हैं। श्री काशी विश्वनाथ धाम में दर्शन के लिए कतारें लगनी शुरू हो चुकी हैं। गलियों में चाय की भाप के साथ बनारस की सुबह अपनी पुरानी लय में लौट रही है। इसी भीड़ में एक विदेशी दंपती अपने गाइड से पूछता है– ₹हमने विश्वनाथ धाम देख लिया, घाट देख लिए, गंगा आरती भी देखी। अब बताइए, काशी के पाँच हजार वर्षों के इतिहास को एक ही जगह कहाँ देखा जा सकता है?₹ गाइड कुछ पल सोचता है। फिर जवाब देता है– ₹ऐसी कोई एक जगह नहीं है। अलग-अलग जगह जाना पड़ेगा।₹ यही उत्तर इस पूरी पड़ताल का आधार बन गया। क्योंकि यह सवाल केवल एक विदेशी पर्यटक का नहीं, बल्कि उस हर व्यक्ति का है जो काशी को केवल धार्मिक नगर नहीं, बल्कि मानव सभ्यता की सबसे प्राचीन जीवित सांस्कृतिक राजधानी मानता है।

बदली हुई काशी... जिसे दुनिया ने देखा

यह कहना गलत होगा कि काशी नहीं बदली। सच्चाई इसके बिल्कुल विपरीत है। पिछले बारह वर्षों में जितना व्यापक परिवर्तन वाराणसी ने देखा, वह स्वतंत्र भारत के इतिहास में अभूतपूर्व माना जाएगा। श्री काशी विश्वनाथ धाम ने सदियों पुरानी कल्पना को आधुनिक स्वरूप दिया। गंगा तटों का सौंदर्यीकरण हुआ। नमो घाट ने धार्मिक पर्यटन के साथ आधुनिक पर्यटन की नई पहचान बनाई। शहर में रिंग रोड, फ्लाईओवर, रेलवे स्टेशन का कायाकल्प, हवाई अड्डे का विस्तार, क्रूज पर्यटन, रोपवे परियोजना, स्मार्ट सिटी के तहत अनेक कार्य और सार्वजनिक सुविधाओं में उल्लेखनीय सुधार हुए। आज काशी केवल आस्था की राजधानी नहीं, बल्कि आधुनिक शहरी परिवर्तन का भी उदाहरण बन चुकी है। इस उपलब्धि को स्वीकार करना ईमानदार पत्रकारिता का दायित्व है। लेकिन पत्रकारिता का दूसरा दायित्व यह भी है कि वह विकास की उस परत को भी देखे, जो अभी अधूरी है।

विकास केवल कंक्रीट नहीं, स्मृति भी होता है

किसी शहर का विकास केवल सड़क, पुल और भवनों से नहीं मापा जाता। उसकी असली पहचान इस बात से तय होती है कि वह अपनी स्मृतियों को कैसे सहेजता है। पेरिस केवल एफिल टॉवर से महान नहीं है। लंदन केवल संसद भवन से नहीं पहचाना जाता। रोम केवल प्राचीन इमारतों से नहीं, बल्कि अपनी सभ्यता को व्यवस्थित रूप से प्रस्तुत करने की क्षमता से दुनिया को आकर्षित करता है। इसी कसौटी पर यदि काशी को देखें तो एक प्रश्न सामने आता है– क्या काशी अपनी पूरी कहानी दुनिया को सुना पा रही है?

संग्रहालय हैं... लेकिन क्या पूरी काशी वहाँ है?

इस पड़ताल के दौरान सबसे पहले यही तथ्य सामने आया कि यह कहना गलत होगा कि वाराणसी में संग्रहालय नहीं हैं। शहर में भारत कला भवन है, जो भारतीय कला और सांस्कृतिक धरोहर का अत्यंत प्रतिष्ठित केंद्र है। सारनाथ का पुरातत्व संग्रहालय विश्व बौद्ध विरासत का गौरव है। रामनगर किले का संग्रहालय काशी नरेश की परंपरा और राजसी इतिहास का महत्वपूर्ण साक्षी है। इन संस्थानों का महत्व निर्विवाद है। लेकिन जब इनकी भूमिका का अध्ययन किया गया तो एक अलग तस्वीर उभरकर सामने आई। इनमें से प्रत्येक अपने-अपने विषय का प्रतिनिधित्व करता है। कोई कला का केंद्र है। कोई बौद्ध पुरातत्व का। कोई राजपरंपरा का। लेकिन यदि कोई पर्यटक यह जानना चाहे कि– काशी कब बसी? घाटों का विकास कैसे हुआ? गंगा और काशी का रिश्ता क्या है? कबीर, रैदास और तुलसी ने इस शहर को कैसे बदला? बनारस घराने ने भारतीय संगीत को क्या दिया? बुनकरों ने बनारसी साड़ी को विश्व तक कैसे पहुँचाया? देव दीपावली, नाग नथैया, भरत मिलाप और रामनगर की रामलीला जैसी परंपराएँ कैसे विकसित हुईं? और 2014 के बाद काशी का कायाकल्प किस तरह हुआ? तो इन सभी प्रश्नों का उत्तर उसे किसी एक स्थान पर नहीं मिलता। यहीं से इस रिपोर्ट का सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न जन्म लेता है।

करोड़ों लोग आते हैं... लेकिन क्या वे काशी को समझकर लौटते हैं?

> **बारह वर्षों में काशी ने विकास की ऐसी छलांग लगाई, जिसने दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा। विश्वनाथ धाम बना, घाट संवरे, नमो घाट नई पहचान बना, रोपवे आकार लेने लगा, सड़कें चौड़ी हुई और करोड़ों श्रद्धालुओं के स्वागत की नई व्यवस्था खड़ी हुई। लेकिन इसी बदली हुई काशी के बीच एक सवाल लगातार बड़ा होता जा रहा है—क्या दुनिया की सबसे प्राचीन जीवित नगरी के पास आज भी ऐसा कोई आधुनिक केंद्र है, जहाँ उसकी पाँच हजार वर्षों की सभ्यता, संस्कृति, संगीत, शिल्प, दर्शन और सामाजिक इतिहास को एक साथ समझा जा सके? मतलब साफ है वाराणसी में इतिहास है, विरासत है, शोध संस्थान हैं, संग्रहालय भी हैं। फिर भी ऐसा क्यों महसूस होता है कि दुनिया की सबसे प्राचीन जीवित नगरी की पूरी कहानी आज भी किसी एक स्थान पर नहीं मिलती?**

हर वर्ष करोड़ों श्रद्धालु और लाखों विदेशी पर्यटक वाराणसी पहुँचते हैं। वे मंदिर देखते हैं। घाट देखते हैं। गंगा आरती देखते हैं। सारनाथ जाते हैं। लेकिन क्या वे काशी की सभ्यता को समझकर लौटते हैं? पर्यटन से जुड़े कई स्थानीय लोगों का मानना है कि अधिकांश आगंतुक काशी का अनुभव तो लेकर जाते हैं, लेकिन उसकी पूरी कहानी नहीं। क्योंकि वह कहानी अभी भी अलग-अलग संस्थानों, विश्वविद्यालयों, पुस्तकालयों, मंदिरों, निजी संग्रहों और लोकस्मृतियों में बिखरी हुई है। यही है विकास का अगला सवाल. यह रिपोर्ट किसी उपलब्धि को कमतर नहीं आँकती। यह यह भी नहीं कहती कि पहले जो हुआ, वह पर्याप्त नहीं था। बल्कि यह एक नया प्रश्न सामने रखती है– यदि काशी अपने भौतिक स्वरूप में इतना बदल सकती है, तो क्या अब उसकी सांस्कृतिक स्मृतियों को भी उसी गंभीरता से संरक्षित करने का समय नहीं आ गया है? क्या अब ऐसा ₹काशी सभ्यता संग्रहालय₹ नहीं होना चाहिए, जहाँ कोई बच्चा, कोई शोधार्थी, कोई श्रद्धालु और कोई विदेशी पर्यटक दो-तीन घंटे में काशी की पाँच हजार वर्षों की यात्रा को समझ सके?

क्या अब काशी को उसकी सभ्यता का एक स्थायी घर मिलना चाहिए?

यह सवाल भावनात्मक कम और व्यावहारिक अधिक है। आज दुनिया का पर्यटन बदल चुका है। पर्यटक केवल मंदिर या स्मारक देखने नहीं आता, वह उस शहर की कहानी समझना चाहता है। वह यह जानना चाहता है कि जिस धरती पर वह खड़ा है, उसकी ऐतिहासिक यात्रा क्या रही, उसकी सांस्कृतिक पहचान कैसे बनी और उसने दुनिया को क्या दिया। यहीं काशी ठहर जाती है। श्रद्धालु विश्वनाथ धाम से अभिभूत होकर निकलता है, लेकिन यदि वह यह जानना चाहे कि काशी की सभ्यता का विकास हजारों वर्षों में कैसे हुआ, तो उसे अलग-अलग स्थानों पर जाना पड़ता है। कला के लिए एक जगह, बौद्ध इतिहास के लिए दूसरी, राजपरंपरा के लिए तीसरी, संगीत के लिए अलग स्त्रोत, बनारसी बुनकरों की कहानी अलग, लोक परंपराएँ अलग और आधुनिक काशी की विकास यात्रा कहीं व्यवस्थित रूप से दर्ज ही नहीं। यानी काशी का इतिहास मौजूद है, लेकिन उसकी प्रस्तुति बिखरी हुई है।

दुनिया ने विरासत को अनुभव में बदला

आज विश्व के बड़े सांस्कृतिक शहरों ने इतिहास को केवल पुस्तकों में नहीं छोड़ा। उन्होंने उसे अनुभव में बदल दिया। आधुनिक संग्रहालय अब केवल पुरानी वस्तुओं के भंडार नहीं हैं। वे ध्वनि, प्रकाश, डिजिटल तकनीक, त्रि-आयामी प्रस्तुति, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और संवादात्मक माध्यमों से इतिहास को जीवंत बनाते हैं। एक बच्चा भी वहाँ जाकर इतिहास समझ लेता है और एक शोधार्थी भी नई सामग्री लेकर लौटता है। काशी जैसी नगरी, जो स्वयं एक जीवित सभ्यता है, क्या इस स्तर की प्रस्तुति की अधिकारी नहीं है?

काशी आखिर दुनिया को क्या दिखाए?

यदि कल काशी में एक काशी सभ्यता संग्रहालय बने तो उसमें केवल मूर्तियाँ और तस्वीरें नहीं होंगी। वहाँ गंगा की सांस्कृतिक यात्रा होगी। वहाँ वैदिक काशी से आधुनिक काशी तक का कालक्रम होगा। वहाँ संत कबीर की वाणी होगी। संत रैदास का सामाजिक संदेश होगा। गोस्वामी तुलसीदास की साहित्य साधना होगी। बनारस घराने का संगीत होगा। उस्ताद बिस्मिल्लाह खाँ की शहनाई की गूँज होगी। गिरिजा देवी की ठुमरी की मिठास होगी। बनारसी बुनकरों के करघे की कहानी होगी। देव दीपावली, नाग नथैया, भरत मिलाप और रामनगर की रामलीला जैसे जीवंत सांस्कृतिक पर्वों का डिजिटल अनुभव होगा। और साथ ही यह भी होगा कि वर्ष 2014 के बाद काशी किस प्रकार बदली और उसने आधुनिक भारत के विकास की नई पहचान कैसे बनाई। यानी अतीत और वर्तमान एक ही छत के नीचे संवाद करते दिखाई देंगे।

इससे बदलेगा क्या?

यह प्रश्न भी स्वाभाविक है। उत्तर केवल संस्कृति तक सीमित नहीं है। ऐसा केंद्र बनने से पर्यटक शहर में अधिक समय बिताएगा। स्थानीय गाइडों को नया विषय मिलेगा। बनारसी शिल्प और हस्तकला को नया मंच मिलेगा। विद्यालयों और विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों को जीवंत अध्ययन केंद्र मिलेगा। शोधकताओं को बिखरी सामग्री के बजाय संगठित अभिलेखागार मिलेगा। और सबसे बड़ी बात– काशी की सांस्कृतिक पहचान आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित हो जाएगी। यह केवल पर्यटन परियोजना नहीं होगी, बल्कि सांस्कृतिक अर्थव्यवस्था की भी बड़ी पहल बन सकती है।

यह केवल सरकार का काम नहीं

इस पड़ताल के दौरान एक और तथ्य सामने आया। ऐसी परिकल्पना केवल सरकार के भरोसे नहीं बनती। इसके लिए विश्वविद्यालयों, इतिहासकारों, पुरातत्वविदों, सांस्कृतिक संस्थाओं, शिल्पकारों, संगीतज्ञों, धार्मिक ट्रस्टों, व्यापारिक संगठनों और स्थानीय समाज को भी साझा दृष्टि विकसित करनी होगी। काशी की सबसे बड़ी शक्ति उसकी साझी सांस्कृतिक चेतना रही है। यदि वही चेतना इस दिशा में आगे आए, तो यह सपना केवल कल्पना नहीं रहेगा।

विकास का अगला अध्याय

पिछले वर्षों में काशी ने दिखाया कि राजनीतिक इच्छाशक्ति और जनसहभागिता से बड़े परिवर्तन संभव हैं। काशी विश्वनाथ धाम इसका प्रमाण है। नमो घाट इसका प्रमाण है। शहर की बदली हुई तस्वीर इसका प्रमाण है। अब प्रश्न यह है कि क्या विकास का अगला अध्याय ₹सांस्कृतिक अधोसंरचना₹ का होगा? क्या आने वाले वर्षों में ऐसा दिन आएगा जब कोई विदेशी पर्यटक काशी आकर केवल घाटों और मंदिरों की तस्वीरें ही नहीं, बल्कि पाँच हजार वर्षों की सभ्यता का अनुभव भी अपने साथ लेकर जाएगा? यह रिपोर्ट किसी उपलब्धि को कम करने के लिए नहीं लिखी गई। यह उस उपलब्धि को पूर्ण बनाने का आग्रह है। काशी ने भारत को अध्यात्म दिया। ज्ञान दिया। दर्शन दिया। साहित्य दिया। संगीत दिया। शिल्प दिया। जीवन जीने की दृष्टि दी। अब समय शायद इस बात का है कि भारत भी काशी को उसकी स्मृतियों का एक ऐसा घर दे, जहाँ उसकी पूरी सभ्यता आने वाली सदियों तक सुरक्षित रह सके। क्योंकि... सड़कें विकास का मार्ग दिखाती हैं, लेकिन संग्रहालय किसी सभ्यता की स्मृति बचाते हैं। और यदि स्मृतियाँ बिखरी रहें, तो विकास की कहानी पूरी नहीं होती। शायद यही वह सवाल है, जिसका उत्तर अब केवल वाराणसी ही नहीं, पूरा देश खोज रहा है–आखिर काशी की सभ्यता को उसका घर कब मिलेगा?

विश्वास व सम्मान -सफल दांपत्य की कुंजी

अक्सर देखा यह जाता है कि विवाह के पूर्व के सुंदर सपने विवाह होने के बाद एक एक कर टूटने लगते हैं और नौबत एक नीरस तनावपूर्ण दांपत्य जीवन या तलाक तक आ पहुंचती है। आखिर विवाह के एक वर्ष या कुछ ही महीनों के बाद पति-पत्नी एक दूसरे से इतने विमुख क्यों हो जाते हैं? खूबसूरत, चंचल पत्नी विवाह के कुछ महीनों बाद अच्छी क्यों नहीं लगती?

नव विवाहित पति-पत्नी के बीच एक-दूसरे के प्रति आकर्षण कम होने के कई कारण हो सकते हैं। विवाह के बाद कुछ समय तक दोनों एक-दूसरे के शारीरिक आकर्षण से बंधे रहते हैं लेकिन फिर धीरे-धीरे शारीरिक आकर्षण कम होने लगता है क्योंकि निरंतर शारीरिक संबंधों के कारण उनकी कामोत्तेजना कम हो जाती है। पति को अपनी पत्नी के बजाय आफिस की लड़कियों में अधिक आकर्षण दिखाई देता है। पत्नी उन्हें मुरझाए फूल की तरह दिखाई देती है। पति के लौटने पर पत्नी किचन में व्यस्त मिलती है या वह भी अपने आफिस से थकी हुई आती हैं। उसके बाल ऐसे बिखरे होते हैं कि चेहरे की मुस्कान भी दिखाई नहीं दे पाती। वैसे कुछ महीने बीत जाने के बाद पत्नी मुस्कुराना छोड़ ही देती है। पत्नी घर में रहने वाली और सरलता से प्राप्त हो जाने वाली वस्तु बनकर रह जाती है। मानवीय प्रवृत्ति में कोई भी स्त्री पुरूष उस वस्तु की प्रबल इच्छा रखते हैं जो उन्हें सरलता से प्राप्त नहीं हो पाती। अपनी इस प्रवृत्ति के कारण उन्हें दूसरी युवतियां अधिक आकर्षित करती हैं। दूसरी युवती को लेकर पुरूष कल्पनाओं में खोने लगते हैं लेकिन अपनी पत्नी के विषय में सोचते तक नहीं। ऐसी स्थिति में दूसरी युवतियां पत्नी की अपेक्षा बहुत खूबसूरत लगती हैं। इस तरह विवाह के कुछ समय बाद पत्नी के प्रति पति का आकर्षण कम हो जाता है।

सेक्स एक मानसिक प्रक्रिया है। यदि किसी पुरूष या स्त्री की मनोस्थिति में काम इच्छा न हो तो कितनी ही सुंदर युवती को देखकर भी उसे कामोत्तेजना नहीं होती लेकिन मानसिक इच्छा होने पर किसी युवती की कल्पना मात्रा से ही पुरूष कामोत्तेजित हो उठते हैं। विवाह के कुछ समय बाद पुरूष को अपनी सुंदर पत्नी को देखकर भी काम इच्छा जागृत नहीं होती। वह घर के आस-पास ऑफिस में और बसों में आते जाते दूसरी युवतियों में आकर्षण ढूंढता है। विवाह के बाद पत्नी को घर के कामों में व्यस्त होना पड़ता है। यदि पत्नी भी कहीं नौकरी करती हो तो उसे घर के कामों से इतनी फुर्सत नहीं मिल पाती कि वह सज संवर कर पति की प्रतीक्षा करे। वह भी पति की तरह ऑफिस से थकी हुई घर लौटती है, फिर घर के कार्यों में व्यस्त हो जाती है। घर के कार्य पूरे करके बैडरूम में जाने पर बुरी तरह थक चुकी होती है। ऐसे में उसकी सहवास की भी इच्छा नहीं होती लेकिन पति की परिस्थिति दूसरी होती है। वह सहवास के लिए जल्दी उत्तेजित हो जाता है। मनोस्थिति के कारण पत्नी को सहवास बिल्कुल अच्छा नहीं लगता।

पीपल्स रिपब्लिकन पार्टी की भिवंडी शहर कार्यकारिणी की बैठक में मारुति जाधव को बनाया गया शहर जिला अध्यक्ष

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। पीपल्स रिपब्लिकन पार्टी (पीआरपी) की भिवंडी शहर कार्यकारिणी की बैठक धामणकरनाका स्थित पार्टी कार्यालय 'भीमालय' में आयोजित की गई। बैठक में सर्वसम्मति से मारुति जाधव को भिवंडी शहर जिला अध्यक्ष चुना गया। बतादें कि पीआरपी के राष्ट्रीय नेता प्रो. जोगेन्द्र कवाडे व जयदीप कवाडे के निदेर्शानुसार नवनियुक्त जिला अध्यक्ष मारुति जाधव को महाराष्ट्र प्रदेश के सहसचिव एडवोकेट अजय पालके ने नियुक्ति पत्र देकर उन्हें संगठन को मजबूत करने और पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने के लिए शुभकामनाएं दीं।बैठक में संगठन विस्तार, सामाजिक कार्यों में सक्रिय भागीदारी तथा आगामी कार्यक्रमों को लेकर भी विस्तृत चर्चा की गई। उपस्थित पदाधिकारियों ने नवगठित शहर कार्यकारिणी को पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर ठाणे (ग्रामीण) जिला अध्यक्ष रहमतुल्लाह (मुन्ना भाई) अंसारी, अल्पसंख्यक अध्यक्ष अब्दुल गनी खान, ठाणे (ग्रामीण) के उपाध्यक्ष अयूब सैय्यद, भिवंडी शहर युवा अध्यक्ष एकनाथ भोईर, पार्टी के वरिष्ठ नेता अब्दुल वहाब शेख, महिला आघाड़ी की पदाधिकारी प्रीति प्रकाश कांबले सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में नवनियुक्त शहर जिला अध्यक्ष मारुति जाधव ने पार्टी नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने, सामाजिक न्याय की लड़ाई को आगे बढ़ाने तथा आम जनता के मुद्दों को प्राथमिकता के साथ उठाने के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करेंगे।

शिवसेना ने पालघर के बाढ़ प्रभावित परिवारों तक पहुंचाई राहत सामग्री

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। पिछले एक सप्ताह से लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के कारण पालघर शहर सहित जिले के कई हिस्सों में बाढ़ जैसे हालात उत्पन्न हो गये। अनेक परिवारों के घरों में पानी भर जाने से कपड़े, शैक्षणिक सामग्री, राशन तथा अन्य दैनिक उपयोग की वस्तुएं पूरी तरह नष्ट हो गईं, जिससे प्रभावित परिवारों के सामने गंभीर संकट खड़ा हो गया। ऐसी विषम परिस्थिति में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एवं शिवसेना के मुख्य नेता एकनाथ शिंदे के मार्गदर्शन में पालघर जिले में बड़े पैमाने पर राहत सामग्री का वितरण किया जा रहा है।

इसी अभियान के तहत पालघर शहर के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में जरूरतमंद परिवारों को जीवनोपयोगी सामग्री उपलब्ध कराई गई। शासन की ओर से पंचनामा और सरकारी सहायता मिलने में समय लगने के बीच शिवसेना की इस पहल ने बाढ़ पीड़ितों को तत्काल राहत पहुंचाने का कार्य किया। पार्टी पदाधिकारियों के अनुसार पालघर शहर में लगभग 1,500 से अधिक परिवारों तक राहत सामग्री पहुंचाई गई, जिससे प्रभावित लोगों को बड़ी राहत मिली। राहत वितरण के दौरान पदाधिकारियों ने कहा कि बाढ़ प्रभावित परिवारों की हरसंभव सहायता के लिए शिवसेना आगे भी इसी प्रकार राहत कार्य जारी रखेगी। इस अवसर पर शिवसेना के जिला प्रमुख कुंदन संखे, उपनेता ज्योति मेहेर, नगराध्यक्ष उत्तम घरत, जिला संगठिका वैदेही वाढाण, पूर्व अध्यक्ष भारती कामडी, तालुका प्रमुख संजय चौधरी, शहर प्रमुख राहुल घरत, उपनगराध्यक्ष राजेंद्र पाटील, पूर्व नगराध्यक्ष एवं गटनेता उज्ज्वला काले, स्वास्थ्य सभापति अमोल पाटील, नियोजन सभापति जस्विन घरत, नगरसेवक एड. धर्मेंद्र भट, बंड्या म्हात्रे, रईस खान, आनंद राऊत, संजू धोत्रे, माधवी साप्ते, युवा सेना के चेतन धर्ममेहेर, कुमार माली, विकी संखे, राहुल संखे, वृषाल वारे, शहर संगठिका भारती सावे, सोनाली पाटील, मोनिका गवली, सुचिता घरत, बिंदिया दीक्षित, संगीता पाटील, स्नेहा ठाकूर सहित बड़ी संख्या में शिवसेना के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जियोहॉटस्टार ने रचा नया इतिहास: 'प्रीतम एंड पेड्रो' बना प्लेटफॉर्म का अब तक का सबसे ज्यादा देखा जाने वाला शो

मुंबई/पटना। जब भारत के सबसे प्रतिष्ठित कहानीकारों में से एक देश के अग्रणी स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म के साथ हाथ मिलाता है, तो नतीजा ऐसी कहानी के रूप में सामने आता है जो हर वर्ग के दर्शकों के दिलों को छू जाती है। राजकुमार हिरानी की बहुप्रतीक्षित ओटीटी डेब्यू सीरीज 'प्रीतम एंड पेड्रो' ने जियोहॉटस्टार पर शानदार सफलता हासिल करते हुए प्लेटफॉर्म का अब तक का सबसे ज्यादा देखा जाने वाला शो बनने का गौरव प्राप्त किया है। इतना ही नहीं, इस सीरीज ने किसी भी स्क्रिप्टेड शो के लिए अब तक की सबसे बड़ी ओपनिंग भी दर्ज की है। हिंदी के अलावा तमिल, तेलुगु, मलयालम, बंगाली, मराठी और कन्नड़ सहित छह भाषाओं में ट्रेंड करते हुए इस शो ने यह साबित किया है कि इसकी कहानी अपनी मूल भाषा की सीमाओं से कहीं आगे जाकर देशभर के दर्शकों से जुड़ने में सफल रही है।

रिकॉर्डतोड़ व्यूअरशिप के अलावा, 'प्रीतम एंड पेड्रो' ने अपने हास्य, भावनात्मक गहराई और सामाजिक प्रासंगिकता के अनोखे मेल से दर्शकों का दिल जीत लिया है। दर्शकों ने खास तौर पर राजकुमार हिरानी की विशिष्ट कहानी कहने की शैली, अरशद वारसी और वीर के बीच की शानदार केमिस्ट्री, तथा साइबर फ्रॉड और ऑनलाइन सुरक्षा जैसे समकालीन विषयों को सरल और मनोरंजक अंदाज में प्रस्तुत करने की सराहना की है। यह सीरीज परिवार के साथ देखे जाने वाले पसंदीदा कंटेंट के रूप में भी उभरी है। सोशल मीडिया पर इसकी चर्चा लगातार बनी हुई है, जहां लोग इसकी मनोरंजक कहानी के साथ-साथ डिजिटल जागरूकता पर सार्थक संवाद शुरू करने की क्षमता की भी प्रशंसा कर रहे हैं।

इंटीग्रेटेड डॉक्टर्स एसोसिएशन और महाराष्ट्र राज्य होम्योपैथिक कृती समिति को बड़ी सफलता

सरकार का सकारात्मक रुख, लिखित आश्वासन के बाद आंदोलन अस्थायी रूप से स्थगित

मुंबई (उत्तरशक्ति)। राज्यभर के आयुष, बीएचएमएस-सीसीएमपी और इंटीग्रेटेड डॉक्टरों की विभिन्न लंबित मांगों को लेकर आजाद मैदान में चल रहे आंदोलन को महत्वपूर्ण सफलता मिली है। कई दिनों तक शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से चले इस आंदोलन के बाद राज्य सरकार ने सकारात्मक रुख अपनाते हुए विभिन्न मांगों पर चर्चा की प्रक्रिया शुरू कर दी है। सरकार द्वारा समयबद्ध लिखित आश्वासन दिए जाने के बाद आमरण अनशन और आंदोलन को फिलहाल अस्थायी रूप से स्थगित कर दिया गया है।

इस आंदोलन में विधायक रोहितदादा पवार ने महत्वपूर्ण मध्यस्थ की भूमिका निभाई। उन्होंने स्वास्थ्य मंत्री डॉ. प्रकाश आबिटकर और चिकित्सा शिक्षा मंत्री हसन मुश्रीफ के साथ समन्वय स्थापित किया। उनके प्रयासों से 8 जुलाई 2026 को सुबह 9:30 बजे स्वास्थ्य मंत्री डॉ. प्रकाश आबिटकर के साथ आंदोलनकारियों के प्रतिनिधिमंडल की बैठक आयोजित की गई।बैठक में बीएचएमएस-सीसीएमपी उत्तीर्ण डॉक्टरों का महाराष्ट्र मेडिकल काउंसिल में पंजीकरण, होम्योपैथिक डॉक्टरों की सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी (सीएचओ) पदों पर भर्ती, 108 आपातकालीन एंबुलेंस सेवा में अवसर तथा आयुष डॉक्टरों की अन्य लंबित मांगों पर विस्तृत चर्चा हुई। स्वास्थ्य मंत्री ने विधानसभा सत्र समाप्त होने के बाद संबंधित मंत्रियों की संयुक्त बैठक बुलाकर इन मुद्दों के समाधान का आश्वासन दिया।

इसके बाद आजाद मैदान पुलिस थाने के समन्वय से आंदोलनकारियों के प्रतिनिधिमंडल की चिकित्सा शिक्षा मंत्री हसन मुश्रीफ के साथ बैठक हुई। प्रारंभ में सरकार की ओर से बिना समय-सीमा वाला पत्र दिया गया, जिसे आंदोलनकारियों ने स्वीकार करने से इनकार कर दिया और आंदोलन जारी रखा। इसके बाद सरकार ने संशोधित लिखित आश्वासन जारी किया, जिसमें विधानसभा सत्र समाप्त होने के एक सप्ताह के भीतर संबंधित मंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों की संयुक्त बैठक आयोजित करने की स्पष्ट समय-सीमा तय की गई।बैठक के दौरान आंदोलनकारियों ने महाराष्ट्र में स्वतंत्र आयुष मंत्रालय की स्थापना, राज्य सरकार एवं सभी स्थानीय स्वराज्य संस्थाओं में बड़े पैमाने पर आयुष डॉक्टरों की नियमित भर्ती, आयुष डॉक्टरों द्वारा जारी मेडिकल फिटनेस प्रमाणपत्रों को सभी सरकारी कार्यालयों में समान मान्यता देने सहित अन्य लंबित मांगों को मजबूती से रखा।इस अवसर पर चिकित्सा शिक्षा मंत्री हसन मुश्रीफ ने कहा कि डॉक्टर मतदाता निर्वाचन क्षेत्र का विषय संवैधानिक है और इस संबंध में मुख्यमंत्री के साथ विस्तृत चर्चा की जाएगी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि सरकार आयुष डॉक्टरों की मांगों के प्रति सकारात्मक है और संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

इस आंदोलन के परिणामस्वरूप महाराष्ट्र मेडिकल काउंसिल की ऑनलाइन पंजीकरण प्रणाली भी पुनः शुरू हो गई है। इसके बाद अनेक बीएचएमएस-सीसीएमपी पात्र डॉक्टरों ने अपने पंजीकरण के लिए आवेदन और आवश्यक दस्तावेज जमा करना शुरू कर दिया है।सरकार की ओर से सकारात्मक रुख और समयबद्ध लिखित आश्वासन मिलने के बाद विधायक रोहितदादा पवार ने आमरण अनशन पर बैठे डॉक्टरों को फलों का रस पिलाकर उनका अनशन समाप्त कराया। इसके साथ ही आंदोलन को भी फिलहाल अस्थायी रूप से स्थगित करने का निर्णय लिया गया। इस आंदोलन का नेतृत्व इंटीग्रेटेड डॉक्टर्स एसोसिएशन के डॉ. योगेश भालेराव, डॉ. अमोल आंबेकर, डॉ. अबरार इनामदार, डॉ. प्रकाश राणे, डॉ. मनीषा जाधव, डॉ. अवचर, डॉ. युसूफ खान तथा आमरण अनशन पर बैठे डॉ. करणसिंह गाडे और डॉ. गौरव सोनावणे ने किया।

स्कोडा ऑटो फॉक्सवैगन इंडिया ने नेतृत्व परिवर्तन की घोषणा की

मुंबई। स्कोडा ऑटो फॉक्सवैगन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने आज अपने सेल्स, मार्केटिंग और डिजिटल फंक्शन में नेतृत्व परिवर्तन की घोषणा की है। जन बुरेस, एग्ज़िक्यूटिव डायरेक्टर सेल्स, मार्केटिंग और डिजिटल, स्कोडा ऑटो फॉक्सवैगन इंडिया, भारत में अपना ग्लोबल असाइनमेंट पूरा करेंगे। वे ग्रुप के साथ जुड़े रहेंगे और सितंबर 2026 से फॉक्सवैगन एजी में नई भूमिका निभाएंगे। श्कोडा ऑटो फॉक्सवैगन इंडिया भारत में ग्रुप की वृद्धि में जन बुरेस के योगदान के लिए उनका हार्दिक धन्यवाद करती है और फॉक्सवैगन एजी में उनकी नई ज़िम्मेदारी के लिए उन्हें निरंतर सफलता की शुभकामनाएँ देती है। इस परिवर्तन के बाद, पियूष अरोड़ा, मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ, स्कोडा ऑटो फॉक्सवैगन इंडिया, भारत में ग्रुप के लिए एग्ज़िक्यूटिव डायरेक्टर सेल्स और मार्केटिंग की अतिरिक्त ज़िम्मेदारी संभालेंगे। यह मजबूत नेतृत्व संरचना रणनीतिक तालमेल को और सुदृढ़ करने, निर्णय लेने की प्रक्रिया को तेज करने और संगठन में अधिक जवाबदेही सुनिश्चित करने के उद्देश्य से बनाई गई है।

स्कोडा ऑटो फॉक्सवैगन इंडिया, अपनी छह प्रेरणादायक ब्रांड्स फॉक्सवैगन, स्कोडा, ऑडी, बेंटली, लैम्बॉर्गिनी और पोर्शे भारतीय ऑटोमोबाइल बाजार की दीर्घकालिक संभावनाओं के प्रति प्रतिबद्ध है। कंपनी का स्पष्ट ध्यान सतत विकास, ग्राहक केंद्रित नवाचार और अपने प्रोडक्ट पोर्टफोलियो के विस्तार पर है।

अमेरिका से 10 हजार आदिवासी छात्राओं को मिला ऑनलाइन मार्गदर्शन

जीवनविद्या मिशन की पहल बनी प्रेरणा

मुंबई (उत्तरशक्ति)। आदिवासी छात्राओं के मानसिक स्वास्थ्य, चरित्र निर्माण और सर्वांगीण विकास को नई दिशा देने के उद्देश्य से जीवनविद्या मिशन ने एक अभिनव पहल करते हुए राज्यभर की 355 शासकीय एवं अनुदानित आश्रम विद्यालयों तथा छात्रावासों को एक साथ ऑनलाइन मंच से जोड़ा। इस विशेष कार्यक्रम के तहत अमेरिका में रह रहीं विश्वप्रसिद्ध मनोचिकित्सक डॉ. विद्या जोशी ने एक घंटे का प्रेरणादायी ऑनलाइन व्याख्यान देकर लगभग 10 हजार आदिवासी छात्राओं का मार्गदर्शन किया।

जीवनविद्या मिशन के आजीवन विश्वस्त श्री प्रल्हाद पै की प्रेरणा से आयोजित सुसंस्कार से जीवनविद्या मिशन अंतर्गत आदर्श जीवन विकास अभियान के अंतर्गत यह कार्यक्रम सावित्रीदीप झ ज्ञान का दीप, स्वाभिमान की उड़ान विषय पर आयोजित किया गया। इसमें कक्षा 5वीं से लेकर कनिष्ठ एवं वरिष्ठ महाविद्यालय स्तर तक की छात्राओं के साथ हजारों महिला शिक्षिकाओं, कर्मचारियों एवं छात्रावास की गृहपालों ने भी भाग लिया। अपने व्याख्यान में डॉ. विद्या जोशी ने किशोरावस्था में होने वाले शारीरिक एवं मानसिक बदलाव, स्वच्छता, आत्मविश्वास, तनाव प्रबंधन, आत्महत्या की रोकथाम, अच्छे संस्कार, सही निर्णय लेने की क्षमता, 'गुड टच-बैड टच', साइबर सुरक्षा, बाल विवाह, पॉक्सो कानून तथा शिक्षा के माध्यम से जीवन में सफलता प्राप्त करने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर सरल और प्रभावी भाषा में मार्गदर्शन दिया। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रश्न पूछे, जिनका डॉ. जोशी ने आत्मीयता से उत्तर दिया। यह संवाद सत्र कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण रहा। इस राज्यस्तरीय कार्यक्रम को सफल बनाने में आदिवासी विकास विभाग की आयुक्त लीना बनसोड, अपर आयुक्त गोपीचंद कदम , जीवनविद्या मिशन के प्रमुख सहायक डॉ. किशोर संखे, ट्रस्टी रजनी पालकर, तकनीकी समन्वयक मेघना, कलवण परियोजना की परियोजना अधिकारी एवं उपजिलाधिकारी डॉ. कश्मीरा संखे तथा शासकीय आश्रम विद्यालय घोडेगांव के प्राचार्य गणेश गावडे का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

भिवंडी में लापता दो बच्चों की तलाश तेज, NDRF की टीम ने संभाला मोर्चा

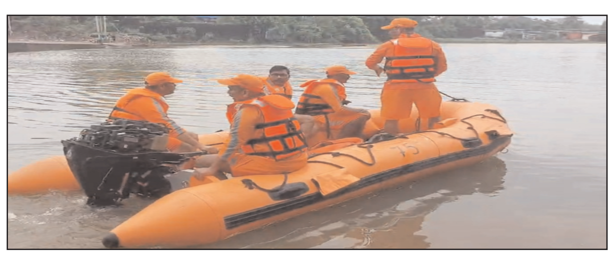

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। पिछले पांच दिनों से लगातार हो रही भारी बारिश के बीच भिवंडी की कामवारी नदी और नाले में लापता हुए दो बच्चों की तलाश के लिए राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल की टीम गुरुवार को भिवंडी पहुंच गई। पुणे से आई टीम ने सुबह से देर शाम तक व्यापक खोज अभियान चलाया, लेकिन दोनों का अब तक कोई सुराग नहीं मिल सका। जानकारी के अनुसार, रविवार (5 जुलाई) को अपने दोस्तों के साथ कामवारी नदी में केकड़े पकड़ने गया मोहम्मद गौस नदी में तैरने के लिए उतरा था। तेज बहाव में वह बह गया और तब से लापता है। पिछले 96 घंटे से भिवंडी अग्निशमन दल और आपदा प्रबंधन विभाग उसकी तलाश कर रहे थे लेकिन सफलता नहीं मिली। वहीं सोमवार (6 जुलाई) को काकूबाई चाल क्षेत्र में दोस्तों के साथ खेलते समय 13 वर्षीय मोहम्मद अबुजर नाले में गिर गया था। वह भी तब से लापता है और उसकी तलाश लगातार जारी है। दोनों बच्चों की खोज के लिए पुणे से निरीक्षक राहुल पारखवंश के नेतृत्व में NDRF की टीम भिवंडी पहुंची। टीम ने कामवारी नदी से लेकर खारबाव खाड़ी तक सघन सर्च ऑपरेशन चलाया। हालांकि शाम तक कोई सफलता नहीं मिली। आपदा प्रबंधन दल के प्रमुख साकिब खरबे ने बताया कि अब खोज अभियान को भाईंदर और वसई खाड़ी क्षेत्र तक विस्तारित किया जाएगा, ताकि दोनों लापता बच्चों का जल्द से जल्द पता लगाया जा सके।

टीईटी पेपर लीक मामले में दो और गिरफ्तार, कुल आरोपियों की संख्या 12 पहुंची; कई आरोपियों की पुलिस रिमांड बढ़ी

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र के चर्चित टीईटी पेपर लीक मामले में भिवंडी पुलिस को एक और बड़ी सफलता मिली है। मामले का खुलासा होने के 13 दिन बाद पुलिस ने आगरा से दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इसके साथ ही इस प्रकरण में अब तक गिरफ्तार आरोपियों की संख्या बढ़कर 12 हो गई है।पुलिस ने गुरुवार को आगरा निवासी पवन यादव (40) और हरिओम सिंह पानु (28) को गिरफ्तार कर भिवंडी अतिरिक्त सत्र न्यायालय में पेश किया। अदालत ने दोनों आरोपियों को 13 जुलाई तक पुलिस हिरासत में भेज दिया। इसी मामले में पहले से पुलिस हिरासत में चल रहे कपिल कृष्णा दहिया और संजय कुमार सुरेशचंद्र शर्मा की पुलिस रिमांड 11 जुलाई तक बढ़ा दी गई है। वहीं सोनू कुमार सिंह, मिथुन कुमार सिंह, बाबूलाल नारायण सिंह कुशवाह और पुरनचंद माहौर उर्फ निकी की पुलिस रिमांड समाप्त होने पर अदालत ने उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया। आरोपियों की ओर से पैरवी कर रहे अधिवक्ता शैलेश गायकवाड़ ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी पवन यादव मुख्य फरार आरोपी विजेंद्र गुप्ता का करीबी मित्र है, जबकि हरिओम सिंह पानु पर विजेंद्र गुप्ता के लिए हवाई टिकट की व्यवस्था करने का आरोप है। भिवंडी पुलिस फरार मुख्य आरोपी विजेंद्र गुप्ता की तलाश में लगातार कार्रवाई कर रही है। पुलिस का मानना है कि नए आरोपियों से पूछताछ के दौरान पेपर लीक नेटवर्क से जुड़े कई और महत्वपूर्ण खुलासे हो सकते हैं।

मुंबई की 15 वर्षीय लेखिका वृत्ति अविचल ने आठ पुस्तकें लिखकर बनाया रिकॉर्ड

मुंबई (उत्तरशक्ति)। जिस उम्र में अधिकांश किशोर अपनी स्कूली पढ़ाई और सामान्य गतिविधियों में व्यस्त रहते हैं, उस उम्र में 15 वर्षीय वृत्ति अविचल ने लेखन, सार्वजनिक वक्तृत्व, कला और सामाजिक जागरूकता के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनाई है। पहली किताब 13 की उम्र में लिखी । मुंबई की इस प्रतिभाशाली किशोरी ने एक ही दिन में अपनी आठ अंग्रेजी पुस्तकों का प्रकाशन कर इंटरनेशनल बुक ऑफ रिकॉर्ड्स, एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स और इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में अपना नाम दर्ज कराया है। वृत्ति अविचल की प्रकाशित पुस्तकों में Divided by Design, Light After Shadows, The Darkest Chapter, The Valley that Broke Hearts, Village to Verdict, Arabella's Journey from Shadows to Sunshine, The Yellow Line और The Living Symphony शामिल हैं। इन पुस्तकों में समानता, न्याय, शांति, संघर्ष से उबरने की क्षमता, भारतीय संस्कृति और सामाजिक जागरूकता जैसे विषयों को प्रमुखता से प्रस्तुत किया गया है। लेखन के साथ-साथ वृत्ति अविचल एक प्रभावशाली सार्वजनिक वक्ता (पब्लिक स्पीकर) के रूप में भी अपनी पहचान बना चुकी हैं। वर्ष 2024 में उन्होंने TEDx Youth @ Palm Road के मंच से अपने विचार साझा किए। इसके अलावा उन्होंने 10वें रेडियो चिको स्विट्जरलैंड वर्ल्ड पीस वीक के दौरान भारत का प्रतिनिधित्व भी किया। उन्हें कॉमनवेल्थ एसे प्रतियोगिता में रजत पदक (सिल्वर मेडल) से सम्मानित किया जा चुका है। इसके अतिरिक्त कला, वाद-विवाद, निबंध लेखन, पॉडकास्टिंग और मोनो एक्टिंग जैसी विभिन्न प्रतियोगिताओं में भी उन्होंने कई पुरस्कार और सम्मान प्राप्त किए हैं। साहित्य और शिक्षा तक पहुंच को बढ़ावा देने के उद्देश्य से वृत्ति अविचल अपनी पुस्तकों का दान मुंबई और पुणे के विभिन्न विद्यालयों के पुस्तकालयों में भी कर चुकी हैं। साहित्य और रचनात्मकता को सामाजिक परिवर्तन का सशक्त माध्यम मानने वाली वृत्ति अविचल आगे भी लेखन, सार्वजनिक वक्तृत्व और कला के माध्यम से समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की दिशा में कार्य करती रहना चाहती हैं। साहित्य और शिक्षा से इतर खेलों में भी उनकी उल्लेखनीय उपलब्धियां रही हैं। वह राज्य स्तरीय थ्रोबॉल खिलाड़ी हैं और वर्ष 2024 में कांस्य पदक जीत चुकी हैं। इसके अलावा उन्होंने राज्य स्तरीय शतरंज प्रतियोगिताओं में भी भाग लिया है। कम उम्र में हासिल की गई उनकी ये उपलब्धियां इस बात का प्रमाण हैं कि रचनात्मकता, समर्पण और सामाजिक सरोकार के माध्यम से युवा पीढ़ी भी समाज में सकारात्मक परिवर्तन की प्रभावशाली भूमिका निभा सकती है।

फेसबुक पर Quantum AI Platform के झांसे में आये सेवानिवृत्त बैंक कर्मचारी से 48 .53 लाख की साइबर ठगी

पालघर पुलिस ने 38 .21 लाख रुपये होल्ड कर बचाई बड़ी रकम

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। सोशल मीडिया पर अधिक मुनाफे का लालच देकर लोगों को ठगने वाले साइबर अपराधियों का एक और बड़ा मामला सामने आया है। पालघर जिले के घोलवड पुलिस स्टेशन क्षेत्र में रहने वाले 70 वर्षीय सेवानिवृत्त बैंक कर्मचारी से फेसबुक पर दिखाई गई फर्जी निवेश योजना के जरिये 48,53,209 रुपये की ऑनलाइन ठगी कर ली गई। हालांकि घोलवड पुलिस व पालघर साइबर पुलिस की त्वरित कार्रवाई के चलते ठगी गई राशि में से 38,21,974 रुपये होल्ड कराने में सफलता मिली है। अब न्यायालय के आदेशानुसार यह राशि पीड़ित को वापस दिलाने की कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

पुलिस के अनुसार 25 मई 2026 को सुबह करीब 11 बजे रामचंद्र कालू वलवी (70 वर्ष), निवासी पिचले वडकतीपाड़ा, बवेर्वाडी, तहसील डहाणू, जिला पालघर, अपने फेसबुक अकाउंट पर वीडियो देख रहे थे। इसी दौरान उन्हें 'Quantum AI Platform' का एक आकर्षक वीडियो दिखाई दिया, जिसमें दावा किया गया कि यह प्लेटफॉर्म केवल पहले 100 लोगों के लिए उपलब्ध है और वे भाग्यशाली लोगों में शामिल हैं। वीडियो में बताया गया कि मात्र 21 हजार रुपये निवेश करने पर कुछ ही दिनों में प्रतिदिन 70 हजार से 90 हजार डॉलर तक का मुनाफा कमाया जा सकता है।

साथ ही अन्य लोगों के कथित अनुभव दिखाकर लाखों रुपये कमाने के दावे किये गये। वीडियो के नीचे दिए गये गूगल फॉर्म को भरने के बाद शिकायतकर्ता से 21 हजार रुपये जमा करने को कहा गया तथा भरोसा दिलाया गया कि पूरी प्रक्रिया विशेषज्ञों की निगरानी में होगी तथा निवेश पूरी तरह सुरक्षित रहेगा। फॉर्म भरने के बाद शिकायतकर्ता को व्हाट्सएप कॉल आया। कॉल करने वाले व्यक्ति ने विभिन्न तकनीकी प्रक्रियाओं और अकाउंट सक्रिय करने के नाम पर 20,593 रुपये जमा करवाये। शिकायतकर्ता ने बताए गये बैंक खाते में यह राशि भेज दी। इसके बाद उन्हें बताया गया कि उनके खाते में 7 डॉलर का मुनाफा हुआ है, जिसे एक ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से निकाला जा सकता है। शिकायतकर्ता ने वेबसाइट पर जाकर वह राशि सफलतापूर्वक निकाल भी ली। इससे उनका विश्वास और अधिक बढ़ गया। इसके बाद साइबर ठगों ने अलग-अलग बहानों से बार-बार निवेश करने के लिए प्रेरित किया।

अधिक लाभ, बोनस, टैक्स, प्रोसेसिंग शुल्क व अन्य कारण बताकर उनसे लगातार पैसे जमा कराये गये। इस तरह आरोपियों ने शिकायतकर्ता से कुल 48,53,209 रुपये की ठगी कर ली।जब शिकायतकर्ता को एहसास हुआ कि उनके साथ धोखाधड़ी हुई है।

नीम करौली बाबा

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति,** समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.-** 9554493941 **email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

विवाह समारोह के दौरान हुआ बवाल, लाठी-डंडों और लोहे की रॉड से हमला

आजमगढ़ के मेहनाजपुर थाना क्षेत्र के डंडवल गांव में हुई वारदात

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। जिले के महनाजपुर थाना क्षेत्र के डंडवल गांव में एक विवाह समारोह के दौरान भोजन परोसने को लेकर शुरू हुआ मामूली विवाद खूनी संघर्ष में बदल गया। देर रात हुई मारपीट में एक 20 वर्षीय युवक की मौत हो गई, जबकि चार अन्य लोग घायल हो गए। घटना के बाद शादी समारोह में अफरा-तफरी मच गई और मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। मृतक की पहचान देवगांव कोतवाली क्षेत्र के सराय खुरसू गांव निवासी 20 वर्षीय प्रीतोष राजभर के रूप में हुई है। घायलों में ओटू, लक्ष्मण, अजय और महानंद शामिल हैं, जिनका विभिन्न अस्पतालों में उपचार चल रहा है।

सब्जी कम परोसने को लेकर शुरू हुआ विवाद: पुलिस के अनुसार, सराय खुरसू गांव के ग्राम प्रधान श्याम कन्हैया का पुत्र आनंद राजभर अपने मित्र गौरव पांडे की बहन की शादी में शामिल होने डंडवल गांव गया था। देर रात भोजन के दौरान सब्जी कम परोसने को लेकर उसका कुछ लोगों से विवाद हो गया। पहले दोनों पक्षों में कहासुनी हुई और फिर एक-दूसरे को देख लेने की धमकी देकर मामला बढ़ गया।

फोन कर साथियों को बुलाया, फिर हुआ हमला: बताया जा रहा है कि विवाद के बाद आनंद राजभर ने फोन कर अपने गांव से प्रीतोष राजभर, ओटू, लक्ष्मण, अजय और महानंद को बुला लिया। सभी युवक बाइक से शादी समारोह में पहुंचे। आरोप है कि वहां पहले से मौजूद लोगों ने उन पर लाठी-डंडों और लोहे की रॉड से हमला कर दिया। हमले में सभी युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद समारोह में मौजूद लोगों में भगदड़ और अफरा-तफरी मच गई।

वाराणसी ले जाते समय हुई प्रीतोष की मौत: घायलों को पहले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां से प्रीतोष और ओटू की हालत गंभीर होने पर हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। अजय और महानंद को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कर उपचार शुरू किया गया। प्रीतोष को आजमगढ़ के एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां से उसे बीएचयू ट्रॉमा सेंटर, वाराणसी रेफर किया गया। लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। वहीं ओटू का इलाज लालगंज के अस्पताल में जारी है।

पुलिस जांच में जुटी, एक व्यक्ति हिरासत में: घटना की सूचना मिलने पर महनाजपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने पूछताछ के लिए एक व्यक्ति को हिरासत में लिया है। बुधवार को पुलिस अधीक्षक डॉ. अनिल कुमार भी घटनास्थल पहुंचे और अधिकारियों को मामले की निष्पक्ष जांच कर आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच जारी है और तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

जौनपुर में 22 मुहर्रम का ऐतिहासिक जुलूस

अकीदत के साथ उठा अलम और जुलजनाह, दहकते अंगारों पर हुआ मातम

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। अहमद खा मंडी में 22 मुहर्रम के मौके पर पारंपरिक ऐतिहासिक जुलूस-ए-अलम और जुलजनाह बेहद अकीदत और गमगीन माहौल में निकाला गया। इस मजलिसी प्रोग्राम और जुलूस में भारी संख्या में अकीदतमंदों ने शिरकत कर कर्बला के शहीदों को याद किया। मौलाना सैफ अब्बास और हसन अकबर खान ने पेश किया खराज-ए-अकीदत। जुलूस से पहले आयोजित मजलिस को देश के जाने-माने धर्मगुरुओं ने संबोधित किया।

मुख्य भाषण: हुज्जतुल इस्लाम वल मुस्लेमीन मौलाना सैयद सैफ अब्बास किबला ने कर्बला के ऐतिहासिक संदर्भ और हजरत इमाम हुसैन की शहादत के मकसद पर रौशनी डाली।

पहला भाषण: ऑल इंडिया शिया पर्सनल लॉ बोर्ड के सेक्रेटरी और 'शेर-पूर्वांचल' मौलाना हसन अकबर खान ने कौम को एकजुट रहने और हुसैनियत के रास्ते पर चलने का पैगाम दिया।

दूसरा भाषण: खतीबे-अहले-बेत हुसैन अकबर खान साहब (रईस, रन्नो) ने अपनी तकरीर से मजलिस में मौजूद अकीदत मंदों को भावुक कर दिया।

अंजुमनों का नौहाख्वानी और 'आग का मातम' मजलिस के बाद अहमद खा मंडी से अलम (पवित्र झंडे) और जुलजनाह (पवित्र घोड़े) का जुलूस निकाला गया।

धार्मिक समूह: अंजुमन इमामिया रन्नो और अंजुमन अजाए हुसैन के नौहाख्वानों ने दर्द भरे अंदाज में नौहाख्वानी और सीनाजनी की।

विशेष अनुष्ठान: जुलूस का मुख्य आकर्षण और सबसे भावुक पल 'आग का मातम' रहा। अकीदतमंदों ने दहकते हुए लाल अंगारों पर चलकर मातम किया और इमाम हुसैन के प्रति अपनी गहरी आस्था प्रकट की।

सफल आयोजन और व्यवस्था: इस पूरे गरिमामय और ऐतिहासिक कार्यक्रम का सफल संयोजन स्थानीय समाज सेवी सोनू साहब और शानू साहब, द्वारा किया गया। इस मौके पर मुख्य रूप से आले रसूल,सैयद राजू, अफजल, सुनील, रियाजुल,कन्हैया लाल मौर्य, मुशर्रफ रजा, मेहंदी, इंतजार, मेराज हैदर, मिनहाल दरोगा खान आदि सेकड़ो लोग मौजूद रहे।

प्रशासन और स्थानीय लोगों के सहयोग से पूरा जुलूस शांतिपूर्ण और सलीके से संपन्न हुआ।

जौनपुर में 'स्कूल चलो अभियान' की भव्य रैली, हर बच्चे के नामांकन का लिया संकल्प

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बेसिक शिक्षा विभाग की ओर से शैक्षिक सत्र 2026-27 में शत-प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से गुरुवार को टाउन हॉल मैदान से जनपद स्तरीय 'स्कूल चलो अभियान' रैली का भव्य आयोजन किया गया। रैली को प्रदेश के खेल एवं युवा कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गिरीश चंद्र यादव ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

रैली नगर पालिका मैदान से कोतवाली चौराहा, चहारसु, शाही किला और अटाला मस्जिद होते हुए पुनः टाउन हॉल मैदान पहुंची। हाथों में तिरंगा और जागरूकता तख्तियां लिए छात्र-छात्राओं ने लोगों को बच्चों का समय पर विद्यालय में नामांकन कराने और नियमित रूप से स्कूल भेजने का संदेश दिया।

राज्यमंत्री गिरीश चंद्र यादव ने कहा कि पहले और दूसरे चरण में जनपद में लगभग 60 हजार नए विद्यार्थियों का नामांकन किया जा चुका है तथा 15 जुलाई तक इस संख्या में और वृद्धि की संभावना है। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य है कि कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे। उन्होंने शिक्षकों को राष्ट्र निर्माण की सबसे बड़ी प्रेरक शक्ति बताते हुए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और बच्चों के सर्वांगीण विकास पर विशेष बल दिया।

जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन. ने कहा कि शिक्षा ही बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला है। उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा डीबीटी के माध्यम से प्रत्येक छात्र-छात्रा को 1200 रुपये यूनिफॉर्म, जूते, मोजे, स्वेटर और अन्य शैक्षिक सामग्री के लिए उपलब्ध कराए जा रहे हैं। उन्होंने शिक्षकों और अभिभावकों से बच्चों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए मिलकर कार्य करने का आह्वान किया।

जिलाधिकारी ने पिछले वर्ष जनपद के उत्कृष्ट शैक्षिक प्रदर्शन की सराहना करते हुए विश्वास जताया कि इस वर्ष भी जौनपुर निपुण भारत मिशन में बेहतर प्रदर्शन करेगा। उन्होंने बताया कि बच्चों की शैक्षिक प्रगति, स्वास्थ्य और अनुशासन को लेकर प्रत्येक माह अभिभावकों से संवाद भी स्थापित किया जाएगा।

कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष मनोरमा मौर्या, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी समीर, नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी, समस्त खंड शिक्षा अधिकारी, जिला समन्वयक, एसआरजी, एआरपी, शिक्षक, शिक्षामित्र, अनुदेशक एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन रमेश चंद्र पटेल और नूपुर श्रीवास्तव ने किया। अंत में बेसिक शिक्षा अधिकारी ने सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए सुरक्षित एवं अनुशासित ढंग से अभियान को सफल बनाने का आह्वान किया।

शिक्षण, प्रयोगशाला और संसाधनों की व्यवस्थाएं दुरुस्त रखें: प्रो.वंदना सिंह

प्रयोगशालाओं का निरीक्षण कर कुलपति ने परखी नए सत्र की तैयारियां

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में नए शैक्षणिक सत्र के शुभारंभ के साथ ही कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने गुरुवार को प्रोफेसर राजेंद्र सिंह रज्जू भईया भौतिकी अध्ययन संस्थान का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संस्थान की विभिन्न प्रयोगशालाओं, शैक्षणिक सुविधाओं तथा उपलब्ध संसाधनों का अवलोकन किया और उनकी कार्यप्रणाली की जानकारी प्राप्त की।

कुलपति ने संस्थान के शिक्षकों के साथ बैठक कर नए सत्र की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिया कि सभी विभागाध्यक्ष अपने-अपने विभागों में प्रवेश, कक्षाओं के संचालन, प्रयोगशालाओं, पुस्तकालय, समय-सारिणी तथा अन्य शैक्षणिक व्यवस्थाओं को समयबद्ध ढंग से पूर्ण कर लें।

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य विद्यार्थियों को गुणवत्तापरक शिक्षा के साथ आधुनिक संसाधनों से युक्त शिक्षण वातावरण उपलब्ध कराना है। इसके लिए प्रत्येक विभाग को शैक्षणिक गतिविधियों के संचालन में सक्रिय भूमिका निभानी होगी। उन्होंने प्रयोगशालाओं के नियमित रखरखाव, उपकरणों की उपलब्धता तथा विद्यार्थियों के व्यावहारिक प्रशिक्षण पर विशेष ध्यान देने के निर्देश भी दिए।

निरीक्षण के दौरान कुलपति ने डीएसटी-पर्स एवं पीएम-उषा योजना के अंतर्गत स्थापित अत्याधुनिक उपकरणों एवं प्रयोगशालाओं का भी अवलोकन किया। उन्होंने इंटीग्रेटेड थर्मल इवेपोरेटर सिस्टम, ग्लोव बॉक्स सिस्टम, इलेक्ट्रोकेमिकल वर्कस्टेशन, सोलर सिम्युलेटर, गैस सेंसर सिस्टम, स्पटरिंग सिस्टम तथा डीआरएस सिस्टम सहित अन्य उपकरणों के उपयोग एवं शोध कार्यों की जानकारी प्राप्त की।

इस अवसर पर पीएम-उषा समन्वयक प्रो. गिरिधर मिश्र ने इन अत्याधुनिक उपकरणों की उपयोगिता एवं उनके माध्यम से किए जा रहे शोध कार्यों की जानकारी दी। परियोजना के सह-समन्वयक डॉ. धीरेन्द्र चौधरी ने बताया कि इंटीग्रेटेड ग्लोव बॉक्स सिस्टम सहित अन्य अत्याधुनिक उपकरणों की सहायता से सोलर सेल, गैस सेंसर एवं अन्य उन्नत अनुसंधान कार्य किए जा रहे हैं।

इस अवसर पर संस्थान के निदेशक प्रो. मिथलेश सिंह, चीफ प्रॉक्टर प्रो. अजय प्रताप सिंह, प्रो. मनोज मिश्रा, प्रो. गिरिधर मिश्र, प्रो. प्रमोद यादव, डॉ. सुजीत चौरसिया, डॉ. नितेश जसवाल, डॉ. धीरेन्द्र चौधरी सहित संस्थान के अन्य शिक्षक, अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

आजमगढ़ में ई-रिक्शा चोरी करने वाले अंतरजनपदीय गिरोह का खुलासा, महिला समेत 6 गिरफ्तार

जीशान अहमद खान

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। जनपद में लगातार सामने आ रही ई-रिक्शा और बैटरी चोरी की घटनाओं के बीच पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. अनिल कुमार के निर्देशन में कोतवाली पुलिस, विशेष अपराध नियंत्रण टीम, चोरी अनावरण टीम और सर्विलांस सेल की संयुक्त कार्रवाई में एक अंतरजनपदीय गिरोह का पर्दाफाश करते हुए महिला सहित छह आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

पुलिस के अनुसार, सोमवार देर रात मोहटी घाट क्षेत्र में छापेमारी के दौरान आरोपियों को पकड़ा गया। उनके कब्जे से लगभग 20 लाख रुपये मूल्य की 8 चोरी की ई-रिक्शा, 36 बैटरियां तथा एक मास्टर-की बरामद की गई।

गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान मो. मिजान, अखिलेश यादव उर्फ समीर यादव, विनोद जायसवाल, योगेश्वर जायसवाल, बृजेश कुमार गुप्ता और तबस्सुम के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, तबस्सुम शहर में बिना निगरानी खड़ी ई-रिक्शाओं की रेकी करती थी। इसके बाद गिरोह के अन्य सदस्य मास्टर-की की मदद से ई-रिक्शा चोरी कर सुनसान स्थान पर ले जाते, जहां से बैटरियां और अन्य सामान निकालकर कबाड़ में बेच दिया जाता था। बिक्री से मिली रकम आपस में बांट ली जाती थी।

पूछताछ के दौरान आरोपियों ने कोतवाली और सिधारी थाना क्षेत्रों में हुई कई चोरी की घटनाओं में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है। पुलिस ने बताया कि मुख्य आरोपी अखिलेश यादव उर्फ समीर यादव के खिलाफ पहले से चोरी, शस्त्र अधिनियम और पॉक्सो एक्ट समेत विभिन्न धाराओं में मुकदमे दर्ज हैं।

फिलहाल पुलिस आरोपियों के आपराधिक नेटवर्क और अन्य मामलों में संलिप्तता की जांच करते हुए आगे की विधिक कार्रवाई कर रही है।

पेड़ से लटकता मिला अधेड़ उका शव

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बरसठी थाना क्षेत्र के गनेशपुर गांव निवासी 55 वर्षीय राय साहब चैहान का शव गुरुवार सुबह उनके घर के सामने शीशम के पेड़ से फंदे के सहारे लटका मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सुबह जब उनकी पत्नी व ग्रामीणों की नजर शव पर पड़ी तो हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची बरसठी पुलिस ने शव को नीचे उतरवाकर कब्जे में लिया और पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया।

राय साहब चैहान दो भाइयों में सबसे छोटे थे। वे ईंट-भट्ठे पर मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करते थे। उनके परिवार में केवल पत्नी है, उनकी कोई संतान नहीं है। ग्रामीणों ने बताया कि वह करीब 10 दिन पूर्व वाराणसी स्थित एक भट्ठे से काम करके लौटे थे और इन दिनों स्थानीय स्तर पर मजदूरी कर रहे थे। शव को पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

राह चलती छात्राओं पर फब्तियां कसना पड़ा भारी, एंटी रोमियो टीम ने मनचले को दबोचा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शाहगंज पुलिस की मिशन शक्ति एवं एंटी रोमियो टीम ने छात्राओं से छेड़खानी और फब्तियां कसने वाले एक मनचले युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार मंगलवार को जैसिस चौराहे पर मिशन शक्ति फेज-5 के तहत छात्राओं की सुरक्षा को लेकर जागरूकता अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि कौड़िया तिराहे के पास एक युवक राह चलती लड़कियों पर अभद्र टिप्पणी कर रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और आरोपी को पकड़ लिया। गिरफ्तार युवक की पहचान शोभित कुमार पुत्र प्रदीप कुमार निवासी कौड़िया बुढ़नपुर, थाना शाहगंज के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 296 के तहत मुकदमा दर्ज कर आवश्यक विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर जिले में महिलाओं और छात्राओं की सुरक्षा के लिए मिशन शक्ति एवं एंटी रोमियो अभियान लगातार चलाया जा रहा है।

अयोध्या से दर्शन करके लौट रहे भाई बहन की सड़क हादसे में हुई मौत

मुंगराबादशाहपुर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। प्रतापगढ़ जिले के रानीगंज थाना क्षेत्र में बुधवार देर रात हुए भीषण सड़क हादसे ने मुंगराबादशाहपुर के एक परिवार की खुशियां छीन लीं। अयोध्या धाम से दर्शन कर लौट रहे परिवार की वैगनआर कार पिकअप वाहन से टकरा गई। टक्कर के बाद पिकअप कार के ऊपर पलट गई जिससे कार में बैठे सगे भाई-बहन की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के समय पीछे चल रही दूसरी कार में मौजूद परिजन कुछ ही दूरी से यह मंजर देखते रह गए।

मृतकों की पहचान नईगंज निवासी 25 वर्षीय आकाश सोनी और उनकी 22 वर्षीय बहन प्रिया सोनी उर्फ रोली के रूप में हुई है। दोनों मूल रूप से गोंडा जिले के मनकापुर के रहने वाले थे। माता-पिता के निधन के बाद पिछले तीन वर्षों से वे अपनी बहन और जीजा मनीष सोनी के साथ मुंगराबादशाहपुर में रह रहे थे मंगलवार को पूरा परिवार दो कारों से अयोध्या दर्शन के लिए रवाना हुआ था। दर्शन के बाद बुधवार रात सभी वापस लौट रहे थे। आगे चल रही वैगनआर में आकाश प्रिया और उनके चालक मोहित सोनी निवासी मोहल्ला कटरा सवार थे जबकि पीछे दूसरी कार में मनीष सोनी अपनी पत्नी दीपा सोनी तथा बच्चों शौर्य, शिवाय और श्याम के साथ चल रहे थे रात करीब एक बजे रानीगंज क्षेत्र स्थित सरकारी अस्पताल के समीप वैगनआर की पिकअप से जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि पिकअप वाहन पलटकर कार के ऊपर जा गिरा। हादसे में कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।आकाश और प्रिया ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। जबकि चालक मोहित सोनी को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।पीछे आ रहे परिजन तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे और स्थानीय लोगों की मदद से राहत कार्य शुरू किया। सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। काफी मशक्कत के बाद दोनों शवों को बाहर निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया घटना की सूचना मिलते ही मुंगराबादशाहपुर स्थित मृतकों के आवास पर शोक व्यक्त करने वालों का तांता लग गया। पूरे मोहल्ले में मातम पसरा है।थानाध्यक्ष अश्विनी दुबे ने बताया कि हादसे की सूचना मिलने के बाद संबंधित अधिकारियों से संपर्क किया गया है। पीड़ित परिवार को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है। वहीं रानीगंज पुलिस दुर्घटना के कारणों की जांच में जुटी है।

पूर्वांचल विश्वविद्यालय की प्रवेश विवरणिका का कुलपति ने किया विमोचन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर में शैक्षणिक सत्र 2026॥27 की प्रवेश प्रक्रिया हेतु तैयार की गई प्रवेश विवरणिका का विमोचन कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने किया।

कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने कहा कि प्रवेश विवरणिका विद्यार्थियों के लिए विश्वविद्यालय के विभिन्न पाठ्यक्रमों, प्रवेश प्रक्रिया, पात्रता, शुल्क, महत्वपूर्ण तिथियों एवं अन्य आवश्यक जानकारियों का एक महत्वपूर्ण संकलन है। उन्होंने प्रवेश प्रक्रिया को पारदर्शी, सरल एवं समयबद्ध ढंग से संचालित करने पर बल दिया।

प्रवेश समिति के संयोजक प्रो. मिथिलेश सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय में संचालित विभिन्न स्नातक, स्नातकोत्तर एवं अन्य व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार संचालित की जाएगी। उन्होंने अभ्यर्थियों से अपील की कि वे प्रवेश से संबंधित नवीनतम सूचनाओं, महत्वपूर्ण तिथियों एवं अन्य आवश्यक निर्देशों के लिए विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट का नियमित अवलोकन करते रहें, ताकि किसी भी महत्वपूर्ण जानकारी से वंचित न रहें।

इस अवसर पर प्रवेश समिति के अध्यक्ष प्रो. रजनीश भास्कर, अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. प्रमोद कुमार यादव, प्रो गिरिधर मिश्र, कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह, उपकुलसचिव अजीत सिंह, डॉ .धीरेंद्र चौधरी, डॉ सुजीत चौरसिया आदि उपस्थित रहें।

सीएमओ ने रामनगर सीएचसी समेत दो पीएचसी का किया निरीक्षण, स्वास्थ्य योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए निर्देश

ओपीडी, लेबर रूम और पीएमएसएमए की व्यवस्थाएं परखी, हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं की समय पर पहचान पर दिया जोर

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. गंगा राम गौतम ने गुरुवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रामनगर तथा इसके अंतर्गत आने वाले प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र नेवढ़िया और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र जमालापुर का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवाओं और विभिन्न सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन का जायजा लेते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान सीएमओ ने सीएचसी रामनगर की ओपीडी, लेबर रूम, लेबर वार्ड एवं प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान (पीएमएसएमए) दिवस की व्यवस्थाओं का गहन निरीक्षण किया। उन्होंने अस्पताल में मौजूद गर्भवती महिलाओं और अन्य लाभार्थियों से बातचीत कर उन्हें मिल रही स्वास्थ्य सुविधाओं और सरकारी योजनाओं की जानकारी प्राप्त की।

सीएमओ ने जननी सुरक्षा योजना, आयुष्मान भारत योजना सहित विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं की समीक्षा करते हुए निर्देश दिया कि सभी उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं की समय पर पहचान कर उनकी आवश्यक जांच एवं जरूरत पड़ने पर शीघ्र रेफरल सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक पात्र लाभार्थी तक शासन की सभी स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण तरीके से पहुंचना चाहिए।

उन्होंने अस्पताल प्रशासन को स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में लगातार सुधार करने, मरीजों को बेहतर उपचार उपलब्ध कराने तथा सभी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान सीएचसी रामनगर के अधीक्षक डॉ. अभिषेक सिंह, डॉ. अंकित शर्मा, डॉ. अश्विनी सिंह सहित अन्य चिकित्सक एवं स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित रहे।

खेत के बंटवारे को लेकर खूनी संघर्ष, भतीजे पर चाचा समेत दो बुजुर्ग भाइयों पर जानलेवा हमले का आरोप

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सिकरारा थाना क्षेत्र के लखेसर गांव में खेत के बंटवारे को लेकर हुए विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। आरोप है कि भतीजे ने अपने साथियों के साथ मिलकर लाठी-डंडों और धारदार हथियार से दो सगे बुजुर्ग भाइयों पर जानलेवा हमला कर दिया। हमले में 73 वर्षीय रामचंद्र यादव और 76 वर्षीय कमलाकांत यादव गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची 108 एंबुलेंस ने दोनों घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज जारी है। घायलों ने आरोप लगाया है कि खेत के बंटवारे के विवाद को लेकर उनके भतीजे ने हमला कराया। उन्होंने प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करने तथा न्याय दिलाने की मांग की है। घटना की सूचना मिलते ही सिकरारा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस का कहना है कि मामले की सभी पहलुओं से जांच की जा रही है तथा तहरीर के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

मिशन सेफ फ्यूचर स्कूली वाहनों विरुद्ध कार्रवाई हुआ तेज

दो दिन में फिटनेस/परमिट फेल 15 स्कूली वाहन थाने में सीज एवं 32 वाहनों का हुआ चालान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। परिवहन आयुक्त उत्तर प्रदेश द्वारा 'मिशन सेफ फ्यूचर' अभियान के तहत 15 जुलाई, 2026 तक फिटनेस/परमिट फेल स्कूली वाहनों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही के निर्देश दिये गये है।

उक्त के अनुपालन में अभियान के दूसरे दिन सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) सत्येन्द्र कुमार सिंह एवं यात्री/मालकर अधिकारी जौनपुर द्वारा स्कूली बसों की जाँच की गयी। जिसमें परमिट, फिटनेस एवं अन्य प्रपत्र न मिलने पर अब तक कुल 15 बसों को सीज कर दिया जबकि 32 बसों का चालान किया गया। ए0आर0टी0ओ0 (प्रवर्तन) द्वारा स्पष्ट किया गया है कि बसों में परमिट, फिटनेस या सुरक्षा उपकरण न होने पर उन्हें सीज किया जायेगा।

उक्त के साथ ए0आर0टी0ओ0 द्वारा जनपद के समस्त प्रबन्धक/प्रधानाचार्य/वाहन स्वामी से अनुरोध किया गया है कि जिन विद्यालयों में बच्चों से बच्चों का आवागमन होता है और उनका फिटनेस एवं परमिट समाप्त हो गया है तो वे तत्काल फिटनेस/परमिट बनवा लें। यद्यपि बिना परमिट के जो भी वाहन संचालित पायी जायेगी

उनके विरुद्ध चालान/निरुद्ध की कार्यवाही अमल में लायी जायेगी। उक्त के साथ अनाधिकृत संचालन में 04 यात्री बसों को थाने पर सीज करते हुए 11 यात्री बसों का चालान किया गया।

बिजली पोल के स्टेप वायर में उतरे करंट की चपेट में आने से मां-बेटी की मौत

गाजीपुर (उत्तरशक्ति)। सैदपुर के भीरा बलुआ ग्राम में बिजली पोल के स्टेप वायर में उतरे करंट की चपेट में आने से मां-बेटी की मौत हो गयी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सीमा यादव 45 वर्ष पत्नी रामअवतार यादव सुबह बिजली के पोल के स्टेप वायर में उतरे करंट की चपेट में आ गयी। मां को तड़पते देख पुत्री खुशी यादव 15 वर्ष ने बचाने का प्रयास किया लेकिन वह भी करंट की चपेट में आ गयी। घटना की खबर लगते ही सैदपुर एसडीएम और कोतवाल मौके पर पहुंच गये। दोनों को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सैदपुर भेजवाया गया जहां चिकित्सकों ने उन्हे मृत घोषित कर दिया। सैदपुर कोतवाल ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। आगे की विधिक कार्रवाई हो रही है।

डीएम के आदेश पर ईओ के संरक्षण में केराकत में सड़क किनारे अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई

जितेन्द्र कनोजिया

केराकत,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी के निर्देश पर नगर पंचायत केराकत द्वारा अधिशासी अधिकारी (ईओ) के संरक्षण में सड़क किनारे किए गए अतिक्रमण के विरुद्ध बुलडोजर चलाकर कार्रवाई की गई। इस दौरान सड़क पर अवैध रूप से लगाए गए कई ठेले एवं अस्थायी कब्जों को हटाया गया। प्रशासन का कहना है कि सड़क पर अतिक्रमण के कारण यातायात बाधित हो रहा था तथा आम नागरिकों को आवागमन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। इसी को देखते हुए अभियान चलाकर सड़क को अतिक्रमण मुक्त कराया गया। कार्रवाई के दौरान नगर पंचायत और पुलिस प्रशासन की टीम मौके पर मौजूद रही। प्रशासन ने ठेला संचालकों एवं दुकानदारों को चेतावनी दी कि भविष्य में दोबारा सड़क पर अतिक्रमण करने पर नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

काशीवासियों को बड़ी सौगात : अब 'काशी द्वार' से पूरे दिन होंगे बाबा विश्वनाथ के दर्शन

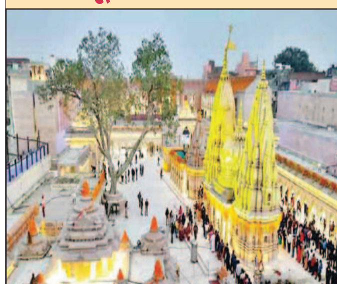

सुरेश गांधी

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास ने काशीवासियों को बड़ी राहत देते हुए 'काशी द्वार' (द्वार संख्या 4-बी) से पूरे दिन दर्शन की सुविधा शुरू कर दी है। अब स्थानीय श्रद्धालु सुबह 4:15 बजे से रात 10:45 बजे तक इस द्वार से मंदिर में प्रवेश कर सकेंगे। हालांकि यह व्यवस्था विशेष पर्वों और श्रावण मास के दौरान लागू नहीं होगी। श्रावण में सभी श्रद्धालुओं के लिए एक समान दर्शन व्यवस्था रहेगी और किसी भी प्रकार का विशेष दर्शन प्रोटोकॉल प्रभावी नहीं होगा। मंदिर न्यास के अनुसार वर्ष 2024 में द्वार संख्या 4-बी को 'काशी द्वार' के रूप में चिन्हित किया गया था। अब तक यहां प्रतिदिन सुबह 4 से 5 बजे और शाम 4 से 5 बजे तक ही स्थानीय लोगों को विशेष दर्शन की सुविधा मिलती थी। नई व्यवस्था के तहत मंदिर खुलने के 15 मिनट बाद से लेकर बंद होने के 15 मिनट पहले तक काशीवासी इस द्वार से प्रवेश कर सकेंगे।

इस विस्तारित व्यवस्था के पहले ही दिन 8 जुलाई को 8,688 काशीवासियों ने बाबा के दर्शन किए, जबकि 9 जुलाई को दोपहर 1:30 बजे तक ही 5,196 श्रद्धालु इस सुविधा का लाभ उठा चुके थे। इससे स्पष्ट है कि नई व्यवस्था को स्थानीय श्रद्धालुओं का भरपूर समर्थन मिल रहा है। श्रावण मास को लेकर मंदिर प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि इस अवधि में श्रद्धालुओं की अत्यधिक भीड़ को देखते हुए सभी प्रकार की विशेष दर्शन व्यवस्थाएं और प्रोटोकॉल स्थगित रहेंगे। दर्शन केवल सामान्य कतार व्यवस्था के अनुसार ही कराए जाएंगे।

भीड़ के दबाव के कारण श्रद्धालुओं को कई चरणों में बनाई गई 6 से 8 कतारों से होकर अपनी बारी का इंतजार करना पड़ सकता है, ताकि सुरक्षा और सुचारु व्यवस्था बनी रहे। मंदिर न्यास का कहना है कि उसका उद्देश्य काशीवासियों और देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं को सुरक्षित, सुगम और व्यवस्थित दर्शन कराना है। नई व्यवस्था से सामान्य दिनों में स्थानीय लोगों को काफी सुविधा मिलेगी, जबकि श्रावण में समान और नियंत्रित व्यवस्था के माध्यम से लाखों श्रद्धालुओं के दर्शन सुनिश्चित किए जाएंगे।

विद्युत विभाग की चेतावनी :बरसात के समय विद्युत पोल से बनाए दूरी - तीर्थराज

दुद्धी, सोनभद्र (उत्तरशक्ति) बरसात के मौसम में उपभोक्ताओं की आवश्यकता को देखते हुए विद्युत विभाग द्वारा आपूर्ति सुचारू ढंग से की जा रही है।बरसात के दिनों में किसी भी तरह के जान माल का खतरा न हो इसके लिए विद्युत विभाग के एसडीओ तीर्थराज के द्वारा क्षेत्र के लोगो से अपील किया गया है कि वे इन दिनों विद्युत पोल,विद्युत लाइन,ट्रांसफार्मर या अन्य वे उपकरण जिनमें विद्युत धारा का परवाह होता हो उससे दूरी बनाए।बारिश के दिनों में करंट उतरने की संभावना रहती है। उन्होंने बताया कि विद्युत उपभोक्ताओं को किसी भी तरह की विद्युत से संबंधित समस्या आती है तो वे संबंधित विद्युतकर्मचारी को अवगत कराए ,सभी कर्मचारियों को निर्देशित किया गया है कि उपभोक्ताओं के समस्याओं का समाधान तुरंत करे।

मोटोरोला ने लॉन्च किया मोटो जी 77 पावर

पटना(उत्तरशक्ति)। मोटोरोला ने नए मोटो जी 77 पावर के लॉन्च की घोषणा की। मोटो जी 77 पावर का अग्रणी प्रो-ग्रेड 50 एमपी सोनी लिटिया 600 कैमरा सिस्टम है और मुख्य कैमरे के साथ ही इसमें एक 8 एमपी का अल्ट्रा-वाइड लेंस दिया गया है। मोटो जी 77 में 6.72 इंच का इमर्सिव फुल एचडी प्लस डिस्प्ले दिया गया है, जो 120 हर्ट्ज के स्मूथ रिफ्रेश रेट के साथ आता है। इसमें 7000 एमएएच की विशाल बैटरी दी गई है। इसमें वॉल्यूम बूस्ट और डॉल्बी एटमॉस के साथ शक्तिशाली डुअल स्टीरियो स्पीकर्स दिए गए हैं। मोटोरोला इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर टी एम नरसिम्हन ने कहा कि उपभोक्ता स्मार्टफोन कैमरों को अधिक महत्व दे रहे हैं, क्योंकि वे अपने रोजमर्रा के पलों को कैप्चर करने, क्रिएट करने और शेयर करने के लिए तेजी से इन पर निर्भर हो रहे हैं। मोटो जी 77 पावर इन-बिल्ट 8 जीबी प्लस 128 जीबी वेरिएंट में उपलब्ध होगा और पैनटोन क्यूरेटेड कलर ऑप्शन्स में आएगा, जिसमें पैनटोन फुशिया रेड, पैनटोन नॉटिकल ब्लू और पैनटोन इम्पेनिट्रेबल शामिल हैं। यह स्मार्टफोन भारत भर में फ्लिपकार्ट, मोटोरोला डॉट इन और प्रमुख रिटेल स्टोर्स पर उपलब्ध होगा। उपभोक्ता एक एक्सक्लूसिव जियो ऑफर का भी लाभ उठा सकते हैं।

एटीएम से रुपये निकालने गए सफाई कर्मी की करंट लगने से मौत

हरदोई (उत्तरशक्ति)। हरदोई में बावन चुंगी स्थित एटीएम से रुपये निकालने गए पंचायत राज विभाग के सफाई कर्मी को करंट लग गया। गंभीर हालत में उसे साथी सफाई कर्मी एंबुलेंस से मेडिकल कॉलेज ले गए। यहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। शहर कोतवाली क्षेत्र के तत्योरा के मजरा रुकमनापुर निवासी मनोज (42) पंचायत राज विभाग में सफाई कर्मी के पद पर तैनात थे। उनकी तैनाती इन दिनों मल्लावां विकास खंड के सुमेरपुर गांव में थी। बृहस्पतिवार को वह ड्यूटी कर दोपहर बाद साथी सफाई कर्मी मनोज कुमार के साथ वापस आए थे। मनोज कुमार ने बताया कि मनोज ने उन्हें बावन चुंगी पर उतार दिया और पास ही लगे एटीएम से रुपये निकालने चला गया। एटीएम छूते ही मनोज को करंट लग गया और वह तड़पने लगा। शोर सुनकर वह भी एटीएम के पास पहुंचा और डंडे से मनोज को एटीएम से अलग किया। एंबुलेंस से उसे मेडिकल कॉलेज पहुंचाया गया।

पालघर के संरक्षक मंत्री गणेश नाईक ने भारी बारिश से प्रभावित क्षेत्रों का किया दौरा

वसई-विरार। पिछले चार-पांच दिनों से लगातार हो रही भारी बारिश के कारण वसई-विरार शहर के कई निचले इलाकों में जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो गई है, जिससे नागरिकों का जनजीवन प्रभावित हुआ है। इस स्थिति का जायजा लेने के लिए महाराष्ट्र के वन मंत्री एवं पालघर जिले के संरक्षक मंत्री गणेश नाईक ने जनप्रतिनिधियों और वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों के साथ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर स्थिति की विस्तृत समीक्षा की।

निरीक्षण के दौरान मंत्री ने जे.के. टायर, ससुनावघर (नायगांव पूर्व), चिंचोटी फाटा (वसई पूर्व), 100 फीट रोडझ्सनसिटी (वसई पश्चिम), गाला नगर (नालासोपारा पूर्व) तथा धानिवबागझडी-मार्ट बुलेट ट्रेन क्षेत्र का दौरा किया। उन्होंने जलभराव के कारणों, नालों की स्थिति, पंपिंग व्यवस्था तथा जल निकासी कार्यों का निरीक्षण किया और स्थानीय नागरिकों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं।

संरक्षक मंत्री ने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि जलभराव वाले क्षेत्रों से जल्द से जल्द पानी निकाला जाए, प्रभावित नागरिकों को आवश्यक सुविधाएं तत्काल उपलब्ध कराई जाएं तथा भविष्य में ऐसी स्थिति की पुनरावृत्ति रोकने के लिए स्थायी और प्रभावी उपाय किए जाएं। उन्होंने आपदा प्रबंधन तंत्र को भी पूरी सतर्कता और समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर वसई विधायक स्नेहा दुबे पंडित, पालघर लोकसभा सांसद डॉ. हेमंत विष्णु सावरा, नालासोपारा विधायक राजन नाईक, पालघर जिला कलेक्टर श्रीमती इंदुरानी जाखड़, वसई-विरार शहर महानगरपालिका आयुक्त पृथ्वीराज बी. पी., अतिरिक्त आयुक्त संजय हेरवाडे, विपक्ष के नेता मनोज पाटिल सहित संबंधित विभागों के अधिकारी, पार्षद, पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

इस दौरान गणेश नाईक ने कहा कि राज्य सरकार संकट की इस घड़ी में नागरिकों के साथ मजबूती से खड़ी है। त्वरित राहत, प्रभावी योजना और दीर्घकालिक समाधान के माध्यम से वसई-विरार को सुरक्षित एवं बाढ़-मुक्त बनाने के लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे।

दुद्धी में बिना पंजीयन संचालित हो रहे दर्जनों कोचिंग सेंटर, छात्रों के भविष्य से खिलवाड़

दुद्धी सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। दुद्धी कस्बा में और आसपास के क्षेत्रों में बिना पंजीयन के दर्जनों कोचिंग सेंटर संचालित होने का मामला सामने आ रहा है। स्थानीय लोगों और अभिभावकों का आरोप है कि कई कोचिंग संस्थान बिना किसी वैधानिक अनुमति के छात्रों को प्रतियोगी एवं बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी कराने के नाम पर आकर्षक विज्ञापन और बड़े-बड़े दावे कर रहे हैं।

जिसे लोकल व्हॉट्सऐप और सोशल मीडिया ग्रुप में साफ तौर पर देखा जा सकता है । अभिभावकों का कहना है कि बेहतर परिणाम और चयन का भरोसा देकर छात्रों से भारी भरकम रुपये की फीस वसूली जा रही है, लेकिन अधिकांश संस्थानों में न तो मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध हैं और न ही योग्य शिक्षकों की व्यवस्था है। इससे छात्रों की पढ़ाई प्रभावित होने के साथ-साथ उनके भविष्य पर भी प्रश्नचिह्न खड़ा हो रहा है। प्रबुद्धजनों का आरोप है कि कई कोचिंग सेंटर निर्धारित मानकों का पालन किए बिना ही संचालित हो रहे हैं। ऐसे में इन संस्थानों की गुणवत्ता, सुरक्षा व्यवस्था और शैक्षणिक स्तर की जांच आवश्यक है। अभिभावकों एवं सामाजिक लोगों ने जिला प्रशासन और संबंधित शिक्षा विभाग के अधिकारियों से मांग की है कि क्षेत्र में संचालित सभी कोचिंग सेंटरों की जांच कराई जाए। बिना पंजीयन या नियमों के विपरीत संचालित पाए जाने वाले संस्थानों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाए, ताकि छात्रों के भविष्य के साथ किसी प्रकार का खिलवाड़ न हो।

अज्ञात वाहन ने गाय को मारी टक्कर, बुरी तरह जख्मी,गौ सेवकों ने गाय को स्ट्रेचर पर लेकर पहुंचे नगर पालिका जमकर हुआ हंगामा

विशाल सोनी

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शाहगंज के सुल्तानपुर रोड स्थित एक धर्मकांटा के पास तेज रफ़्तार एक अज्ञात वाहन ने गाय को जोरदार टक्कर मार दी जिससे वह बुरी तरह जख्मी हो गयी है। जानकारी के अनुसार गुरुवार की दोपहर एक गाय शाहगंज के सुल्तानपुर रोड योगीनाथ तिराहा के आगे विचरण कर रही थी तभी विपरीत दिशा से आरही तेज रफ़्तार एक अज्ञात वाहन ने अपने चपेट में ले लिया जिससे वह गम्भीर रूप से घायल हो गयी।सूचना मिलने पर बेजुबान, बजरंग दल, एवं विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ता मौके पर पहुंचे और किसी तरह ठेले पर लाद कर घायल गाय को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर आये मगर वहां किसी पशु चिकित्सक की तैनाती न होने के कारण कार्यकर्ताओ ने घायल गाय को स्ट्रेचर पर लादकर कर नगर पालिका पहुंचे और जमकर हंगामा किया।कार्यकर्ताओ का कहना था की नगर पालिका द्वारा घायल पशुओं के इलाज हेतू कोई समुचित व्यवस्था नही की गयी है नगर पालिका द्वारा जबकि प्रशासन ने बहुत पहले ही गवंशो के देखभाल के निर्माणधीन कान्हा गौ शाला में आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए दो माह में समुचित व्यवस्था का दावा किया था। कार्यकर्ताओ ने आरोप लगाया की निर्माणधीन गौ शाला के ठेकेदात द्वारा अभी तक कोई व्यवस्था नही गई। नगर पालिका पहुंचे गौ सेवकों ने नगर पालिका और ठेकेदार पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए अधिशासी अधिकारी का घेराव करते हुए तत्काल आपातकालीन व्यवस्था की मांग की।

20 वर्षों के संघर्ष के बाद शुरू हुआ पीएचसी जयरामपुर, जज सिंह अन्ना ने फीता काटकर किया उद्घाटन

बरसठी, जौनपुर। लगभग 20 वर्षों के लंबे संघर्ष के बाद प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) जयरामपुर का संचालन बुधवार को प्रारंभ हो गया। समाजसेवी जज सिंह अन्ना ने फीता काटकर अस्पताल का उद्घाटन किया, जबकि डॉ. सूर्यभान पटेल ने नारियल फोड़कर शुभारंभ कराया। यह अस्पताल जिलाधिकारी जौनपुर एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) जौनपुर के विशेष निर्देश पर आज से संचालित किया गया। उद्घाटन अवसर पर डॉ. सूर्यभान पटेल, डॉ. सर्वेश मिश्रा, डॉ. पूर्णिमा राव, कामना राय (एएनएम) एवं शिवहरि पाठक (फार्मासिस्ट) उपस्थित रहे। फिलहाल अस्पताल में स्थायी चिकित्सक की नियुक्ति न होने के कारण सीएचसी बरसठी से रोस्टर व्यवस्था के तहत डॉक्टरों की ड्यूटी लगाई गई है। 9 जुलाई को डॉ. सर्वेश मिश्रा की ड्यूटी रही। अस्पताल का समय 1 अक्टूबर तक प्रातः 8:00 बजे से दोपहर 2:00 बजे तथा उसके बाद प्रातः 10:00 बजे से शाम 4:00 बजे निर्धारित किया गया है। हालांकि अस्पताल में अभी केवल दवाइयां उपलब्ध कराई गई हैं। बेड, पैथोलॉजी, आवश्यक चिकित्सा उपकरण, बिजली, पानी तथा अन्य मूलभूत सुविधाओं का अभाव बना हुआ है। अन्ना ने बताया कि समरसेबल, पंखे सहित कई सामान चोरी हो चुके हैं, जिन्हें शीघ्र उपलब्ध कराया जाना आवश्यक है। जज सिंह अन्ना ने बताया कि पीएचसी जयरामपुर के संचालन के लिए उन्होंने वर्ष 2020 से लगातार संघर्ष किया तथा पिछले एक माह में जिलाधिकारी, मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री बृजेश पाठक तथा सीएमओ को कई ज्ञापन देकर 10 जुलाई से आमरण अनशन की घोषणा की थी।

श्रीमद् भागवत कथा के उपलक्ष में आयोजित कवि सम्मेलन में बही भक्ति की बयार

प्रतापगढ़। जनपद के रमगढा गांव में क्षेत्र के प्रतिष्ठित सुरेश मिश्र(बबऊ) के 1 जुलाई से 7 जुलाई तक आयोजित श्रीमद् भागवत कथा के समापन के बाद 8 जुलाई को कवि सम्मेलन का सुंदर आयोजन किया गया जिसमें जनपद के नामी कवियों ने अपने काव्य पाठ से भारी संख्या में उपस्थित जन समुदाय को मंत्रमुग्ध कर दिया। काव्य पाठ करने वाले कवियों में निर्झर प्रतापगढ़ी, प्रसिध्द कवयित्री प्रीति पांडे, वीर रस के कवि लवलेश यदुवंशी, सुनील प्रभाकर तथा मुंबई के वरिष्ठ पत्रकार शिवपूजन पांडे का समावेश रहा। कार्यक्रम का सुंदर संचालन वरिष्ठ कवि अनूप अनुपम ने किया। कार्यक्रम के आयोजक अनिल सुरेश मिश्र ने बताया कि जनपद के प्रतिष्ठित कवियों को प्रोत्साहित करने तथा स्थानीय लोगों को विभिन्न प्रकार की कविताओं का रसास्वादन कराना कार्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य था। उन्होंने कथा व्यास विंध्याचल के प्रख्यात कथावाचक पंडित हृदय शंकर तिवारी के प्रति भी परिवार की तरफ से आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर उपस्थित प्रमुख लोगों में पूर्व कैबिनेट मंत्री मोती सिंह के मीडिया प्रभारी विनोद पांडे, पूर्व ब्लाक प्रमुख देवेंद्र पांडे, रामगंज के नगराध्यक्ष राकेश सिंह, पूर्व प्राचार्य पंडित श्याम शंकर मिश्र, पूर्व प्राध्यापक श्यामशंकर शर्मा के अलावा क्षेत्र के अन्य गणमान्य अतिथियो का समावेश रहा। इसके पहले उत्तर प्रदेश के पूर्व कैबिनेट मंत्री मोती सिंह और मुंबई भाजपा प्रवक्ता डॉ योगेश दुबे ने घर आकर अपनी शुभकामनाएं व्यक्त की। मिश्रा परिवार की तरफ से सुरेश मिश्र (बबऊ), प्रेमचंद मिश्र, कृष्णचंद्र मिश्र, अनिल मिश्र, दयाशंकर मिश्र, सुनील मिश्र, संदीप मिश्र, राजेश मिश्र, अमित मिश्र, सुमित मिश्र, प्रदीप मिश्र, राज मिश्र, विवेक मिश्र (बबलू) आदि ने आगंतुकों का स्वागत सम्मान किया। महाप्रसाद (भंडारा) के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

दुद्धी में फिर लौटा अतिक्रमण, एक दिन का अभियान साबित हुआ बेअसर

सुशील कुमार तिवारी

दुद्धी, सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। दुद्धी तहसील गेट से शिवाजी तालाब जाने वाले मुख्य मार्ग पर कुछ दिन पहले उपजिलाधिकारी निखिल यादव के नेतृत्व में चलाया गया अतिक्रमण हटाओ अभियान बेअसर होता दिखाई दे रहा है। अभियान के अगले ही दिन से सड़क किनारे और फुटपाथ पर फिर से दुकानदारों द्वारा अतिक्रमण कर लिया गया, जिससे यातायात व्यवस्था दोबारा चरमरा गई है।

गुरुवार को इस मार्ग पर हालात ऐसे रहे कि पैदल चलने वाले राहगीरों के साथ-साथ दोपहिया और चारपहिया वाहन भी लंबे समय तक जाम में फंसे रहे। सड़क के दोनों ओर दुकानदारों द्वारा सामान फैलाकर किए गए अतिक्रमण के कारण सड़क संकरी हो गई, जिससे आवागमन बाधित रहा।

स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रशासन द्वारा केवल एक दिन कार्रवाई करने से समस्या का स्थायी समाधान संभव नहीं है। यदि नियमित निगरानी और सख्त कार्रवाई नहीं हुई तो अतिक्रमण की समस्या लगातार बनी रहेगी। नगरवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि तहसील गेट से शिवाजी तालाब मार्ग पर नियमित अभियान चलाकर अतिक्रमण हटाया जाए तथा दोबारा अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई की जाए, ताकि आमजन को जाम की समस्या से राहत मिल सके और यातायात व्यवस्था सुचारु बनी रहे।

रायगढ़ में बाढ़ का कहर: नदी में बह गए करीब 3 हजार एलपीजी सिलेंडर,प्रशासन ने लोगों को किया सतर्क

महाराष्ट्र (उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले में लगातार हो रही भारी बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। कई नदियां खतरे के निशान के करीब पहुंच गई हैं, जबकि निचले इलाकों में जलभराव की स्थिति बनी हुई है। इसी बीच जिले से एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसने प्रशासन और स्थानीय लोगों की चिंता बढ़ा दी है। बाढ़ के तेज बहाव में करीब 3 हजार एलपीजी गैस सिलेंडर नदी में बह गए। जानकारी के मुताबिक, यह घटना पनवेल तालुका क्षेत्र के चावणे स्थित एचपीसीएल (हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड) के एलपीजी बॉटलिंग प्लांट से जुड़ी है। लगातार बारिश के कारण प्लांट परिसर में अचानक पानी भर गया, जिसके बाद वहां रखे बड़ी संख्या में गैस सिलेंडर बाढ़ के पानी के साथ बहकर पातालगंगा नदी में पहुंच गए।

रायगढ़ जिले में मुंबई-गोवा हाईवे के पास खारपाड़ा इलाके से गुजरने वाली पातालगंगा नदी में बड़ी संख्या में सिलेंडर बहते हुए नजर आए। नदी के तेज बहाव में सिलेंडर तेजी से आगे बढ़ते दिखाई दिए। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर भी तेजी से वायरल हुआ, जिसमें नदी के पानी के साथ बहते हुए सिलेंडर देखे जा सकते हैं। शुरूआत में स्थानीय लोगों के बीच यह चर्चा थी कि आखिर इतने सारे सिलेंडर नदी तक कैसे पहुंचे। बाद में प्रशासन ने स्थिति स्पष्ट करते हुए बताया कि ये सिलेंडर एचपीसीएल के बॉटलिंग प्लांट से बाढ़ के कारण बहकर आए हैं।

प्रशासन के अनुसार, नदी में बहे सिलेंडरों में खाली और गैस से भरे दोनों प्रकार के सिलेंडर शामिल हैं। तेज पानी के दबाव के कारण ये सिलेंडर खारपाड़ा क्षेत्र से होते हुए नदी और खाड़ी की दिशा में बहते चले गए। घटना के बाद कुछ स्थानीय लोग नदी किनारे पहुंचे और रस्सियों की मदद से सिलेंडरों को बाहर निकालने का प्रयास करते नजर आए। हालांकि, प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे अपनी जान जोखिम में डालकर सिलेंडर निकालने की कोशिश न करें, क्योंकि गैस से भरे सिलेंडर खतरनाक साबित हो सकते हैं। रायगढ़ के जिला कलेक्टर किशन जावले ने लोगों से अपील करते हुए कहा है कि अगर किसी को नदी, समुद्र किनारे या आसपास के इलाके में एचपीसीएल के सिलेंडर मिलते हैं तो उन्हें अपने पास रखने या इस्तेमाल करने की कोशिश न करें। उन्होंने लोगों से कहा कि बरामद सिलेंडरों को तुरंत एचपीसीएल अधिकारियों, नजदीकी एचपीसीएल गैस वितरक, खालापुर तहसील कार्यालय, पेण तहसील कार्यालय या पेण के उप-विभागीय अधिकारी कार्यालय में जमा कराया जाए। प्रशासन ने साफ किया है कि बाढ़ के पानी में मिले सिलेंडरों को उठाना या उनके साथ छेड़छाड़ करना खतरनाक हो सकता है। अधिकारियों की टीमें स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं और लोगों को लगातार सावधानी बरतने की सलाह दी जा रही है। भारी बारिश के बीच रायगढ़ में आई यह घटना अब प्रशासन के लिए एक नई चुनौती बन गई है। राहत और सुरक्षा व्यवस्था के साथ-साथ नदी में बहे सिलेंडरों को सुरक्षित तरीके से बरामद करने की कोशिश भी जारी है।

एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट का आईपीओ 14 जुलाई से खुलेगा

पटना(उत्तरशक्ति)। एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट लिमिटेड का पहला इनिशियल पब्लिक ऑफर (आईपीओ) मंगलवार, 14 जुलाई 2026 को खुलेगा और गुरुवार, 16 जुलाई 2026 को बंद होगा। कंपनी ने प्रति शेयर 545 रुपये से 574 रुपये का प्राइस बैंड तय किया है। निवेशक न्यूनतम 26 शेयरों के लिए बोली लगा सकेंगे, जबकि एंकर इन्वेस्टर्स के लिए बोली लगाने की शुरूआत और समाप्ति सोमवार, 13 जुलाई 2026 को होगी। यह आईपीओ पूरी तरह ऑफर फॉर सेल है, जिसके तहत 1 रुपये फेस वैल्यू वाले 20,37,09,239 इक्विटी शेयर बेचे जाएंगे। साल 1992 में स्थापित एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट मार्च तिमाही के औसत म्यूचुअल फंड एसेट्स अंडर मैनेजमेंट के आधार पर देश की सबसे बड़ी एसेट मैनेजमेंट कंपनी (एएमसी) है। 31 मार्च, 2026 तक कंपनी का म्यूचुअल फंड क्यूएएयुएम 12,509.98 बिलियन रुपये तथा बाजार हिस्सेदारी 15.3 प्रतिशत थी। कंपनी मार्च 2021 से लगातार इस श्रेणी में पहले स्थान पर बनी हुई है। कंपनी के प्रमोटर स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, अमुंडी इंडिया होल्डिंग और अमुंडी एसेट मैनेजमेंट हैं। यह ऑफर बुक-बिल्डिंग प्रक्रिया के तहत लाया जा रहा है, जिसमें विभिन्न निवेशक श्रेणियों के लिए आरक्षण का प्रावधान किया गया है।

बाबा के दरबार में काशीवासियों को मिला अपना 'काशी द्वार', सावन में सब होंगे शिव के समान

वाराणसी। आस्था की राजधानी काशी में बाबा विश्वनाथ के दरबार से गुरुवार को ऐसा निर्णय सामने आया, जिसे स्थानीय श्रद्धालुओं के लिए वर्षों की प्रतीक्षा का अंत माना जा रहा है। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास ने काशीवासियों को पूरे वर्ष अलग प्रवेश द्वार से दर्शन कराने की व्यवस्था लागू कर दी है। अब सामान्य दिनों में काशी के निवासी 'काशी द्वार' (द्वार संख्या-4बी) से सीधे मंदिर में प्रवेश कर बाबा के दर्शन कर सकेंगे।

वहीं दूसरी ओर श्रावण मास के लिए मंदिर प्रशासन ने स्पष्ट संदेश दिया है कि आस्था के सबसे बड़े पर्व में कोई वीआईपी, कोई विशेष प्रवेश द्वार और कोई अलग व्यवस्था नहीं होगी। काशीवासी हों या देश-दुनिया से आने वाले श्रद्धालु, सभी एक समान कतार में बाबा के दर्शन करेंगे। यह व्यवस्था बुधवार से तत्काल प्रभाव से लागू कर दी गई। मंदिर प्रशासन का मानना है कि इससे सामान्य दिनों में स्थानीय श्रद्धालुओं को बड़ी राहत मिलेगी, जबकि श्रावण जैसे विशाल धार्मिक आयोजन में समानता और सुव्यवस्थित भीड़ प्रबंधन सुनिश्चित किया जा सकेगा।

अब पूरे दिन खुला रहेगा 'काशी द्वार'

वर्ष 2024 में मंदिर न्यास ने द्वार संख्या-4बी को 'काशी द्वार' के रूप में चिह्नित किया था। उस समय केवल सुबह 4 से 5 बजे और शाम 4 से 5 बजे तक ही स्थानीय लोगों को इस द्वार से प्रवेश मिलता था। अब इस व्यवस्था का विस्तार करते हुए प्रवेश का समय बढ़ाकर सुबह 4:15 बजे से रात 10:45 बजे तक कर दिया गया है। यानी मंदिर खुलने के 15 मिनट बाद से लेकर बंद होने के 15 मिनट पहले तक काशीवासी इस सुविधा का लाभ उठा सकेंगे। हालांकि यह सुविधा महाशिवरात्रि, रंगभरी एकादशी, देव दीपावली, श्रावण मास, प्रमुख सोमवारों और अन्य विशेष पर्वों पर लागू नहीं होगी। उन दिनों सभी श्रद्धालुओं के लिए एक समान दर्शन व्यवस्था लागू रहेगी।

पहले ही दिन उमड़ी काशीवासियों की भीड़

नई व्यवस्था के पहले दिन ही इसका उत्साहजनक असर देखने को मिला। 8 जुलाई को 8,688 स्थानीय श्रद्धालुओं ने 'काशी द्वार' से बाबा विश्वनाथ के दर्शन किए। वहीं 9 जुलाई को दोपहर 1:30 बजे तक ही 5,196 श्रद्धालु इस सुविधा का लाभ उठा चुके थे। मंदिर प्रशासन का कहना है कि आने वाले दिनों में यह संख्या और बढ़ेगी।

ये दस्तावेज होंगे मान्य

काशी द्वार से प्रवेश के लिए केवल वही व्यक्ति पात्र होंगे जिनके पास– सरकार द्वारा जारी ऐसा पहचान पत्र, जिसमें वाराणसी का पता दर्ज हो। अथवा श्री काशी विश्वनाथ मंदिर प्रशासन द्वारा जारी वार्षिक दर्शनार्थी पासबुक। इन दोनों में से किसी एक दस्तावेज के आधार पर स्थानीय श्रद्धालुओं को प्रवेश मिलेगा।

सावन में सबके लिए एक ही व्यवस्था

मंदिर प्रशासन ने साफ कर दिया है कि 29 जुलाई से 29 अगस्त तक चलने वाले श्रावण मास में अलग प्रवेश व्यवस्था लागू नहीं रहेगी। इस दौरान लाखों श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुचारु दर्शन को देखते हुए सभी को सामान्य कतार से ही प्रवेश मिलेगा। यही नहीं, इस अवधि में सुगम दर्शन, मंगला आरती, सप्तर्षि आरती और अन्य सभी ऑनलाइन टिकटों की बुकिंग भी अस्थायी रूप से बंद कर दी जाएगी। मंदिर की वेबसाइट पर भी इसकी सूचना जारी कर दी गई है। प्रशासन ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि टिकट उपलब्धता की जानकारी समय-समय पर पोर्टल पर देखते रहें, क्योंकि भीड़ और प्रशासनिक परिस्थितियों के अनुसार बुकिंग दोबारा शुरू की जा सकती है।

एक करोड़ श्रद्धालुओं के आगमन का अनुमान

इस बार श्रावण मास में बाबा विश्वनाथ के दर्शन के लिए एक करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं के आने का अनुमान लगाया गया है। पिछले वर्ष सावन में लगभग 63 लाख श्रद्धालुओं ने दर्शन-पूजन किया था। इस बार कांवड़ यात्रा के विस्तार, बेहतर यातायात व्यवस्था और देशभर से बढ़ती आस्था को देखते हुए संख्या में बड़ी बढ़ोतरी की संभावना है। इसी को ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने दर्शन मार्ग से लेकर सुरक्षा तक सभी व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है।

जर्मन हैंगर से मिलेगी राहत

श्रद्धालुओं को तेज धूप और बारिश से बचाने के लिए दर्शन मार्ग पर जर्मन हैंगर लगाए जा रहे हैं। कतारों में पेयजल, चिकित्सा सहायता, शौचालय, प्रकाश व्यवस्था और सुरक्षा बलों की अतिरिक्त तैनाती की जा रही है। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए बहुस्तरीय बैरिकेडिंग बनाई गई है ताकि किसी भी स्थिति में अव्यवस्था न हो।

6 से 8 कतारों में होगा इंतजार

श्रावण के दौरान श्रद्धालुओं की संख्या कई गुना बढ़ जाती है। ऐसे में प्रशासन ने इस बार भी बहु-स्तरीय कतार व्यवस्था लागू की है। श्रद्धालुओं को 6 से 8 चरणों वाली कतारों से होकर गुजरना पड़ सकता है। हर चरण पर सुरक्षा जांच, पेयजल, चिकित्सा सुविधा और स्वयंसेवकों की तैनाती रहेगी ताकि दर्शन व्यवस्था सुचारु बनी रहे।

एसओपी भी बनी मिसाल

मंदिर प्रशासन ने श्रावण के लिए विस्तृत स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) भी तैयार कर ली है। अधिकारियों के अनुसार यह व्यवस्था इतनी व्यवस्थित और प्रभावी है कि देश के कई प्रमुख धार्मिक संस्थानों ने भी इसकी प्रति मांगी है ताकि वहां भी भीड़ प्रबंधन के लिए इसे अपनाया जा सके।

बाहर से आने वाले श्रद्धालु भी शिव स्वरूप

श्री काशी विश्वनाथ मंदिर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्वभूषण मिश्रा ने कहा कि श्रावण और विशेष पर्वों पर काशीवासियों को अलग प्रवेश की सुविधा नहीं दी जा सकती। काशी की परंपरा अतिथि देवो भवः की रही है। बाहर से आने वाले श्रद्धालु भी शिव स्वरूप हैं और उनका सम्मान करना काशी की संस्कृति है। इसलिए विशेष पर्वों के बाद ही काशीवासियों के लिए अलग द्वार की व्यवस्था पुनः लागू रहेगी।

आस्था और व्यवस्था का संतुलित संदेश

मंदिर प्रशासन का यह निर्णय केवल स्थानीय श्रद्धालुओं को सुविधा देने तक सीमित नहीं है। यह एक ऐसा मॉडल भी है, जिसमें सामान्य दिनों में काशीवासियों को प्राथमिकता मिलती है और श्रावण जैसे विश्व के सबसे बड़े शिवोत्सव में समानता, अनुशासन और सामूहिक आस्था को सर्वोच्च स्थान दिया जाता है। एक ओर 'काशी द्वार' काशीवासियों के लिए स्थायी सुविधा का प्रतीक बनेगा, तो दूसरी ओर श्रावण में एक ही कतार से होने वाले दर्शन यह संदेश देंगे कि बाबा विश्वनाथ के दरबार में अंततः सभी श्रद्धालु समान हैं– चाहे वे काशी के हों या देश-विदेश के किसी भी कोने से आए हों।

शिपरॉकेटने शिविर 2026 में फास्ट्र लॉन्च किया

मुंबई। भारत की अग्रणी एआई-आधारित कॉमर्स कंपनी शिपरॉकेट ने, अपनी एआई यात्रा में एक बड़ा कदम उठाते हुए अपने प्रमुख कॉमर्स सम्मेलन शिविर 2026 के सातवें संस्करण में फास्ट्र नामक एआई-आधारित चेकआउट प्लेटफॉर्म पेश किया। यह प्लेटफॉर्म ग्राहकों की खरीदारी की प्रक्रिया को आसान बनाने और बिक्री (कन्वर्जन रेट) बढ़ाने के लिए तैयार किया गया है। फास्ट्र भारत का पहला एआई-आधारित प्री-ऑर्डर समाधान है, जिसमें शिपरॉकेट की सभी प्री-ऑर्डर सेवाओं को एक ही स्मार्ट प्लेटफॉर्म पर जोड़ा गया है। इसकी मदद से ब्रांड्स एआई तकनीक के जरिए नए ग्राहकों को आकर्षित कर सकते हैं, उनकी पसंद और खरीदारी की जरूरतों को बेहतर तरीके से समझ सकते हैं और उन्हें खरीदारी के लिए प्रेरित कर सकते हैं।

मुंबई के द वेस्टिन, पवई लेक में आयोजित शिविर 2026 में 2,500 से अधिक उद्यमियों, ब्रांड प्रतिनिधियों और टेक्नोलॉजी क्षेत्र के विशेषज्ञ शामिल हुए। इस सम्मेलन में कॉमर्स क्षेत्र में एआई से हो रहे बदलावों पर विस्तार से चर्चा की गई। आज भारत के कई व्यवसाय ग्राहकों को जोड़ने, उन्हें खरीदारी के लिए प्रेरित करने और लंबे समय तक उनसे जुड़े रहने के लिए एआई का तेजी से इस्तेमाल कर रहे हैं। सम्मेलन में सिर्फ एआई के बारे में चर्चा नहीं की गई, बल्कि यह भी बताया गया कि कंपनियां अपने कारोबार में एआई का सही तरीके से उपयोग कैसे कर सकती हैं। मुख्य वक्ताओं के भाषण, विशेषज्ञों की चर्चाओं और उत्पादों के लाइव डेमो के माध्यम से प्रतिभागियों को समझाया गया कि कि एआई की मदद से व्यापार की समस्याओं को हल किया जा सकता है और कारोबार को तेजी से बढ़ाया जा सकता है।

इस बारे में शिपरॉकेट के एमडी और सीईओ साहिल गोयल ने कहा, आज भारत के हर व्यवसाय के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) एक जरूरत बन गया है। अगले 12 महीनों में जो उद्यमी अपने कारोबार में एआई का सही तरीके से इस्तेमाल करेंगे, उन्हें दूसरों की तुलना में बड़ा और लंबे समय तक रहने वाला लाभ मिलेगा। इसी अवसर को ध्यान में रखते हुए फास्ट्र तैयार किया गया है। यह एक ही एआई-आधारित प्लेटफॉर्म है जो कई स्मार्ट सुविधाओं को एक साथ लाता है, जो व्यवसायों को नए ग्राहक जोड़ने, उन्हें खरीदारी के लिए प्रेरित करने और ग्राहकों के साथ बेहतर संबंध बनाने में अधिक प्रभावी तरीके से मदद करता है।

आज कई ब्रांड ऑर्डर मिलने से पहले की पूरी प्रक्रिया को संभालने के लिए अलग-अलग तकनीकी समाधानों का इस्तेमाल करते हैं। इससे उनकी तकनीकी व्यवस्था जटिल हो जाती है।

इंदौर में 10000 गौवंश के लिए तैयार हो रही गौशाला: महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने किया निरीक्षण

-प्रणित नरेंद्र तिवारी

इंदौर(उत्तरशक्ति)। इंदौर में बेसहारा गौवंश के संरक्षण और संवर्धन की दिशा में नगर निगम की महत्वाकांक्षी परियोजना अंतिम चरण में पहुंच गई है। आशापुरा क्षेत्र में बनाई जा रही 10 हजार गौवंश क्षमता वाली आधुनिक गौशाला का निर्माण लगभग पूरा हो चुका है। इसके शुरू होने के बाद शहर के बेसहारा गौवंश को सुरक्षित और सर्वसुविधायुक्त स्थायी आश्रय मिल सकेगा।हाल ही में महापौर पुष्यमित्र भार्गव सहित जनप्रतिनिधियों ने गौशाला का निरीक्षण कर निर्माण कार्य की प्रगति का जायजा लिया। महापौर ने बताया कि पहले नगर निगम परिषद क्षेत्र स्थित रेशम केंद्र के सामने संचालित गौशाला में करीब 600 गौवंश का संरक्षण करता था, जबकि वर्तमान में नगर निगम की विभिन्न गौशालाओं में ढाई हजार से अधिक गौवंश का बेहतर सुविधाओं के साथ पालन-पोषण किया जा रहा है। महापौर के अनुसार मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के सहयोग से आशापुरा क्षेत्र में करीब 80 बीघा भूमि उपलब्ध कराई गई, जहां जनभागीदारी के माध्यम से रिकॉर्ड समय में इस आधुनिक गौशाला का निर्माण कराया जा रहा है। इसकी क्षमता एक साथ 10 हजार गौवंश के संरक्षण की होगी। नगर निगम के मुताबिक निर्माण कार्य लगभग पूरा हो चुका है और जल्द ही गौशाला का संचालन शुरू कर दिया जाएगा। इसके बाद शहर में सड़कों पर घूमने वाले बेसहारा गौवंश को सुरक्षित स्थान उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे पशुओं के संरक्षण के साथ-साथ सड़क दुर्घटनाओं और यातायात संबंधी समस्याओं में भी कमी आने की उम्मीद है।

प्रवास 5.0 में स्विच मोबिलिटी ने पेश की नई 9-मीटर इलेक्ट्रिक बस EiV9

गांधीनगर। स्विच मोबिलिटी लिमिटेड, जो इलेक्ट्रिक बसों और हल्के वाणिज्यिक वाहनों की वैश्विक निमार्ता तथा हिंदुजा ग्रुप का हिस्सा है, ने भारत की प्रमुख मल्टीमॉडल परिवहन प्रदर्शनी प्रवास 5.0 में अपनी नई SWITCH EiV9 इलेक्ट्रिक बस पेश की। यह बस विशेष रूप से शहरी सार्वजनिक परिवहन, कर्मचारियों के आवागमन और स्कूल परिवहन के लिए विकसित की गई है। नई पीढ़ी की यह बस अत्याधुनिक तकनीक, यात्रियों के लिए बेहतर आराम और उच्च परिचालन दक्षता के साथ टिकाऊ परिवहन के क्षेत्र में नए मानक स्थापित करेगी। ऊर्जा दक्षता, भरोसेमंद प्रदर्शन और कम कुल परिचालन लागत को ध्यान में रखकर विकसित की गई EiV9 फ्लीट ऑपरेटरों को बिना किसी परेशानी के इलेक्ट्रिक परिवहन अपनाने में मदद करेगी। आधुनिक तकनीक और उत्कृष्ट परिचालन क्षमता के मेल से यह बस ऑपरेटरों की लाभप्रदता बढ़ाने, यात्रियों के अनुभव को बेहतर बनाने और पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभाव को कम करने में सहायक होगी। इससे इलेक्ट्रिक मोबिलिटी आधुनिक फ्लीट के लिए व्यावहारिक और व्यावसायिक रूप से लाभदायक विकल्प बनती है। स्विच मोबिलिटी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) गणेश मणि ने कहा, नई SWITCH EiV9 का लॉन्च हमारी विकास यात्रा का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। इससे सार्वजनिक और संस्थागत परिवहन क्षेत्र में हमारी मौजूदगी और मजबूत होगी।

त्रिवेणी पॉवर ट्रांसमिशन लिमिटेड ने इंडस्ट्रियल मैन्युफैक्चरिंग में ग्राहक-केंद्रित विकास में तेजी लाने के लिए सेल्सफोर्स के साथ सहयोग किया

मुंबई। हाई-स्पीड गियरबॉक्स और इंजीनियर्ड पॉवर ट्रांसमिशन सॉल्यूशन के प्रमुख निर्माता, त्रिवेणी पॉवर ट्रांसमिशन लिमिटेड ने दुनिया के नं. 1 ए.आई सी.आर.एम, सेल्सफोर्स के साथ पार्टनरशिप की है। इस पार्टनरशिप का उद्देश्य कंपनी की डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन स्ट्रेटजी को आगे बढ़ाना, कस्टमर इंगेजमेंट में सुधार लाना, बिजनेस की विजिबिलिटी बढ़ाना और सस्टेनेबल विकास संभव बनाना है। यह पार्टनरशिप ज्यादा कनेक्टेड, डेटा-संचालित और ग्राहक-केंद्रित संगठन बनने की दिशा में टीपीटीएल की एक बड़ी उपलब्धि है। टीपीटीएल द्वारा कस्टमर इन्फॉर्मेशन को व्यवस्थित करने, पूर्वानुमान में सुधार लाने और मुख्य बिजनेस फंक्शंस में सहयोग बढ़ाने के लिए एजेंटफोर्स सेल्स और एजेंटफोर्स सर्विस का इस्तेमाल किया जाएगा। इसकी मदद से टीपीटीएल एक सिंगल, इंटीग्रेटेड प्लेटफॉर्म स्थापित करेगा, जिससे टीमों को रियल टाईम कस्टमर इनसाईट प्राप्त करने, अवसरों को ज्यादा प्रभावशाली तरीके से ट्रैक करने और ज्यादा तेज एवं डेटा आधारित निर्णय लेने में मदद मिलेगी। इससे टीपीटीएल की बिजनेस विजिबिलिटी, क्रियान्वयन और कस्टमर रिस्पॉन्सिवनेस में मजबूती आएगी। उनके सेल्स, टेंडर और बिड मैनेजमेंट तथा बिजनेस का पूर्वानुमान, ग्राहकों की जरूरतें और सेवा की प्राथमिकताएं एक ही डिजिटल प्लेटफॉर्म पर एकीकृत होंगी। कस्टमर इंटरैक्शन को मैन्युफैक्चरिंग, डिलीवरी, इनवॉईसिंग और सर्विस जैसी डाउनस्ट्रीम प्रक्रियाओं से जोड़कर टीपीटीएल का लक्ष्य वैल्यू चेन में एंड-टू-एंड विजिबिलिटी प्राप्त करना है। एडवांस्ड एनालिटिक्स और ए.आई पॉवर्ड इनसाईट्स से लीडरशिप को विकास के अवसरों को पहचानने, मार्केट ट्रेंड्स का अनुमान लगाने और बिजनेस रिस्क के प्रबंधन में मदद मिलेगी। त्रिवेणी पॉवर ट्रांसमिशन लिमिटेड के डायरेक्टर, तरुण साहनी ने कहा, ह्यटीपीटीएल द्वारा विकास के अगले दौर में कदम रखने के साथ हम इसे एक ऐसा संस्थान बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जो पूरे विश्व में प्रतिस्पर्धी हो तथा मजबूत ऑपरेशन और अनुशासन के साथ विस्तार करने के लिए तैयार हो। हमारे इस सफर में डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। त्रिवेणी पॉवर ट्रांसमिशन लिमिटेड के सीईओ, राजीव राजपाल ने कहा, टीपीटीएल विभिन्न जगहों पर विकास और प्रतिस्पर्धात्मकता बनाए रखने के लिए ग्राहकों पर केंद्रित रहता है। सेल्सफोर्स इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर, मनकीरन चौहान ने कहा, ह्यह्यटेक्नोलॉजी औद्योगिक संगठनों द्वारा वैल्यू निर्माण का तरीका बदल रही है। इससे ग्राहक अनुभवों में सुधार हो रहा है और विकास के नए अवसर उत्पन्न हो रहे हैं। त्रिवेणी पॉवर जैसे संगठन कस्टमर लाईफसायकल में डेटा, इंटैलिजेंस और इंगेजमेंट को जोड़कर ग्राहक-केंद्रित इनोवेशन के नए मानक स्थापित कर रहे हैं। हम त्रिवेणी पॉवर के साथ पार्टनरशिप करके उनके कस्टमर अनुभवों को बेहतर बनाने और विकास के नए अवसरों का निर्माण करने के लिए उत्साहित हैं।

पीएनबी ने जनजातीय क्षेत्रों में आवास वित्त तक पहुंच बढ़ाने के लिए प्रारंभ की ट्राइबल प्लस ऋण योजना

मुंबई। भारत के प्रमुख सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में से एक, पंजाब नैशनल बैंक (पीएनबी) ने एक विशेष आवास ऋण उत्पाद ट्राइबल प्लस ऋण योजना प्रारंभ की है, जिसका उद्देश्य जनजातीय क्षेत्रों में रहने वाले पात्र उधारकताओं/ग्राहकों के लिए आवास वित्त तक पहुंच को आसान बनाना है। इस योजना को उन क्षेत्रों में पारंपरिक आवास ऋण से जुड़ी चुनौतियों का समाधान करने के लिए डिजाइन किया गया है जहाँ गिरवी/बंधक बनाने और भूमि स्वामित्व पर प्रतिबंध अक्सर औपचारिक ऋण प्राप्त करने में बाधा बनते हैं। यह योजना पंजाब नैशनल बैंक के गुवाहाटी और रायपुर अंचल के अंतर्गत आने वाले जनजातीय क्षेत्रों में लागू होगी और इसका उद्देश्य विशेष वित्तीय समाधानों के माध्यम से लोगों के अपने घर के सपने को पूरा करने में सहायता करना है। इस योजना के अंतर्गत पात्र वेतनभोगी व्यक्ति, पेशेवर, व्यवसायी और स्व-रोजगार वाले व्यक्ति आवासीय मकानों और फ्लैटों की खरीद, निर्माण, मरम्मत, नवीनीकरण या विस्तार के लिए 40 लाख रुपये तक का ऋण प्राप्त कर सकते हैं। इस अवसर पर बोलते हुए, सुबोध कुमार, महाप्रबंधक, पीएनबी, ने कहाः ह्र पीएनबी में हम नवीन और आवश्यकता-आधारित बैंकिंग समाधानों के माध्यम से वंचित समुदायों तक औपचारिक वित्तीय सेवाओं की पहुंच का विस्तार करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। पीएनबी ट्राइबल प्लस ऋण योजना को आवास वित्त प्राप्त करने में जनजातीय क्षेत्रों के निवासियों द्वारा सामना की जाने वाली अनूठी चुनौतियों का समाधान करने के लिए विकसित किया गया है। इस पहल के माध्यम से हमारा उद्देश्य इन क्षेत्रों में वित्तीय समावेशन और सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के साथ-साथ घर के स्वामित्व का समर्थन करना और संस्थागत ऋण तक पहुंच में सुधार करना है।

इंडियन कैंसर सोसाइटी को 'C पॉजिटिव अवार्ड 2026 NGO इम्पैक्ट अवार्ड' से सम्मानित किया गया

मुंबई। इंडियन कैंसर सोसाइटी (ICS), जो कैंसर कंट्रोल के लिए समर्पित भारत की पहली वॉलंटरी, नॉन-प्रॉफिट संस्था है, को टेक्सास स्कूल ऑफ मेंटल हेल्थ के साथ मिलकर राइजिंग इंडिया रिसर्च फाउंडेशन ने प्रतिष्ठित 'C पॉजिटिव अवार्ड 2026 NGO इम्पैक्ट अवार्ड' से सम्मानित किया है। यह सम्मान कैंसर के बारे में जागरूकता, शुरुआती पहचान, मरीजों की मदद, रिहैबिलिटेशन, एडवोकेसी और कम्युनिटी आउटरीच में कई दशक के लगातार योगदान को मान्यता देता है। ICS के लिए यह सम्मान की बात थी कि उन्हें यह अवार्ड पद्म डॉ. रमन गंगाखेड़कर से मिला। डॉ. गंगाखेड़कर इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (ICMR) में महामारी विज्ञान और संक्रामक रोगों के पूर्व प्रमुख वैज्ञानिक, एक जाने-माने महामारी विज्ञानी, शिक्षाविद और भारत के COVID-19 रिस्पॉन्स के दौरान एक प्रमुख सलाहकार रहे हैं। इंडियन कैंसर सोसाइटी की मैनेजिंग ट्रस्टी और मानद सचिव श्रीमती उषा थोराट ने कहा, जब इंडियन कैंसर सोसाइटी सेवा के 75 साल पूरे कर रही है, तो यह अवार्ड मरीज-केंद्रित कार्यक्रमों, बचाव की पहलों और कैंसर के इलाज तक समान पहुँच के जरिए अनगिनत ज़िंदगियों को बदलने की उसकी विरासत को और मजबूत करता है। अपने बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज के मार्गदर्शन और अपने वॉलंटियर्स, दानदाताओं, पार्टनर्स और हेल्थकेयर प्रोफेशनल्स के सहयोग से, ICS पूरे भारत में कैंसर के बोझ को कम करने के अपने मिशन को आगे बढ़ा रहा है।

यह सम्मान जागरूकता और बचाव, शुरुआती पहचान, इलाज में मदद और रिहैबिलिटेशन में हमारी सामूहिक कोशिशों के असर को फिर से साबित करता है। हम सरकारों, संस्थाओं, समुदायों और समर्थकों के साथ मिलकर काम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं ताकि यह पक्का किया जा सके कि किसी को भी अकेले कैंसर का सामना न करना पड़े।

भारत में सिंगल माल्ट की बढ़ती लोकप्रियता के लिए नियम: IMWA ने असली होने का सर्टिफि केशन मार्क लॉन्च किया

मुंबई। इंडियन माल्ट व्हिस्की एसोसिएशन ने भारतीय सिंगल माल्ट व्हिस्की के लिए एक सर्टिफि केशन ट्रेडमार्क (होलोग्राम) शुरू करने की घोषणा की है। यह तेजी से बढ़ रही इस कैटेगरी में असली होने और क्वालिटी को स्टैंडर्डाइज करने की दिशा में एक अहम कदम है। यह पहल दुनिया भर में बढ़ती पहचान और घरेलू मांग के बीच असली भारतीय सिंगल माल्ट को परिभाषित करने और सर्टिफाई करने के लिए इंडस्ट्री के नेतृत्व में एक औपचारिक ढांचा बनाती है। यह सर्टिफि केशन ट्रेडमार्क योग्य उत्पादों पर लगे एक सुरक्षित होलोग्राम के तौर पर काम करेगा, जो असली होने का साफ भरोसा दिलाएगा। यह सिर्फ. उन मैन्युफैक्चरर्स को दिया जाएगा जो IMWA के तय प्रोडक्शन स्टैंडर्ड्स का पालन करते हैं। ये स्टैंडर्ड्स दुनिया भर में माने जाने वाले बेंचमार्क के अनुरूप हैं और साथ ही भारत की खास मिट्टी और मौसम की स्थितियों को भी ध्यान में रखते हैं। इसके लिए योग्य होने के लिए, मैन्युफैक्चरर्स को उन कड़े नियमों का पालन करना होगा जो भारतीय सिंगल माल्ट व्हिस्की को परिभाषित करते हैं। इनमें शामिल हैंः 100% माल्टेड जौ का इस्तेमाल (बिना किसी गुड़ या न्यूट्रल स्पिरिट के); भारत में एक ही डिस्टिलरी में

प्रोडक्शन; कॉपर पॉट स्टिल्स में डिस्टिलेशन; और 700 लीटर से ज्यादा क्षमता वाले नहीं, बल्कि ओक के पीपों में कम से कम तीन साल तक मैच्योरेशन। मैशिंग और डिस्टिलेशन से लेकर मैच्योरेशन और बॉटलिंग तक की पूरी प्रक्रिया भारत में ही होनी चाहिए, और इसमें किसी भी बाहरी फ्लेवरिंग एजेंट की इजाजत नहीं है। इस डेवलपमेंट पर टिप्पणी करते हुए, IMWA के डायरेक्टर जनरल, मेजर जनरल (डॉ.) राजेश चोपड़ा, AVSM (रिटायर्ड) ने कहाः ह्जैसे-जैसे भारतीय सिंगल माल्ट कैटेगरी घरेलू और वैश्विक स्तर पर बढ़ रही है, एक भरोसेमंद, इंडस्ट्री के स्वामित्व वाले वैलिडेशन मैकेनिज्म की जरूरत अहम हो गई है। सर्टिफि केशन मार्क सिर्फ.नियमों के पालन के बारे में नहीं है, बल्कि असली होने और प्रोसेस की ईमानदारी का एक साझा आधार बनाने के बारे में है। इसका मकसद बिखरे हुए बाजार में स्पष्टता लाना, ग्राहकों का भरोसा मजबूत करना और यह पक्का करना है कि कैटेगरी की ग्रोथ सिर्फ. धारणा पर नहीं, बल्कि वेरिफि एबल स्टैंडर्ड्स पर आधारित हो। इस सर्टिफि केशन के शुरू होने से उत्पाद की असलियत को लेकर लंबे समय से चली आ रही चिंताओं को दूर करने की उम्मीद है। यह ऐसे बाजार में ग्राहकों को एक भरोसेमंद पहचान देगा जहाँ परिभाषाएँ अक्सर अस्पष्ट रही हैं। इससे इंडस्ट्री में क्वालिटी बेंचमार्क को मजबूत करते हुए ज्यादा जानकारी के साथ खरीदारी के फैसले लेने में भी मदद मिलेगी। वैश्विक नजरिए से, इस कदम से प्रोडक्शन के तरीकों को अंतरराष्ट्रीय उम्मीदों के अनुरूप बनाकर प्रीमियम व्हिस्की सेगमेंट में भारत की स्थिति मजबूत होने की संभावना है। इस ढांचे से एक्सपोर्ट की तैयारी में मदद मिलने, प्रमुख बाजारों में स्वीकार्यता बढ़ने और लंबे समय में कैटेगरी की विश्वसनीयता में योगदान मिलने की उम्मीद है। जैसे-जैसे भारतीय सिंगल माल्ट व्हिस्की अपनी खास पहचान और बेहतरीन कारीगरी के लिए लोकप्रियता हासिल कर रही हैं, क्टहअ सर्टिफि केशन ट्रेडमार्क इस कैटेगरी के लिए एक ज्यादा व्यवस्थित, पारदर्शी और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी इकोसिस्टम बनाने के लिए तैयार है।

व्हिस्कासने भारत की पहली स्थानीय पसंद से प्रेरित नई कैट फूड रेंज लॉन्च की

मुंबई। भारत के सबसे भरोसेमंद कैट फूड ब्रांड व्हिस्कासऽ ने आज अपनी नई इंडियन फिश रेंज लॉन्च की है। यह रेंज भारत की सबसे पसंदीदा और ज्यादा खाई जाने वाली मछलियों रोहू और कतला से प्रेरित है। इसमें भारतीय घरों में पसंद की जाने वाली मछलियों के स्वाद को व्हिस्कासऽ के भरोसेमंद पोषण के साथ जोड़ा गया है। इसमें व्हिस्कासऽ के खास कुरकुरे क्रीमी यम्मी पॉकेट्सङ्घभी शामिल हैं, जो बिल्लियों के लिए स्वादिष्ट होने के साथ-साथ 100% संपूर्ण और संतुलित पोषण देते हैं। भारतीय पालतू जानवरों के मालिकों की पसंद और बिल्लियों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया यह भारत में अपनी तरह का पहला नया और खास उत्पाद है। इस अभियान की कल्पना ओमनीकॉम एडवरटाइजिंग इंडिया की एजेंसी 22फीट ने की है। इस नए अभियान में बॉलीवुड एक्ट्रेस और कैट लवर मृणाल

ठाकुर को शामिल किया गया है। बिल्लियों के साथ उनका व्यक्तिगत अनुभव इस अभियान को भरोसेमंद और वास्तविक बनाते हैं। इसलिए, वह व्हिस्कासऽ की इस पहली इंडियन फिश रेंज को लोगों तक पहुंचाने के लिए एकदम सही चेहरा हैं।

भारतीय घरों में मछली एक खास और पसंदीदा भोजन है और कई लोग अपनी बिल्लियों को भी मछली खिलाते हैं। इसी बात को ध्यान में रखते हुए व्हिस्कासऽ ने यह नया अभियान शुरू किया है। इस अभियान में एक खास संदेश दिया गया है कि रोहू और कतला मछली को भारत के अलग-अलग हिस्सों में भले ही अलग-अलग नामों से जाना जाता हो, लेकिन इनके स्वाद के प्रति लोगों का प्यार हर जगह एक जैसा है। हालांकि, केवल घर का बना हुआ खाना बिल्लियों की रोजाना जरूरतों के लिए पर्याप्त पोषण नहीं दे पाता। घर में बनाई गई मछली, चाहे कितनी भी अच्छी भावना से दी जाए, उसमें बिल्लियों के लिए जरूरी संतुलित प्रोटीन, विटामिन और मिनरल्स की सही मात्रा हमेशा नहीं मिल पाती। इसी जरूरत को ध्यान में रखते हुए व्हिस्कासऽ ने भारतीय पसंदीदा मछली के स्वाद को आधुनिक पोषण विज्ञान के साथ मिलाकर ऐसा कैट फूड तैयार किया है, जो बिल्लियों को 100% पूरा और संतुलित पोषण देता है। इससे पहली बार बिल्ली पालने वाले भारतीय परिवारों को घर के खाने के साथ-साथ वैज्ञानिक तरीके से तैयार और पौष्टिक कैट फूड चुनने का एक भरोसेमंद विकल्प मिला है। मृणाल ठाकुर के साथ बनाए गए इस अभियान में अलग-अलग भारतीय भाषाओं की मजेदार कहानी के जरिए दिखाया गया है कि व्हिस्कासऽ कैसे बिल्लियों की पसंद के स्वाद को एक संपूर्ण और पौष्टिक भोजन में बदलता है।

इस अभियान की शुरूआत मुंबई और कोलकाता के समुद्र किनारे स्थित प्रसिद्ध स्थानों पर एक बड़े टीजर एक्टिवेशन के साथ की गई। इन दोनों शहरों का मछली से गहरा संबंध है। कैच ऑफ द ईयर टैगलाइन के साथ लगाए गए इस खास इंस्टॉलेशन ने लोगों का ध्यान आकर्षित किया और उनमें उत्सुकता बढ़ाई। इसके बाद व्हिस्कास इंडियन फिश रेंज के बड़े आकार के पैक का शानदार प्रदर्शन किया गया। इस अभियान के जरिए भारतीय पसंद और स्थानीय जुड़ाव से तैयार किए गए इस नए उत्पाद को एक अलग और आकर्षक तरीके से लोगों के सामने पेश किया गया। मृणाल ठाकुर ने इस अभियान के बारे में अपने विचार साझा करते हुए कहा, ह्बिल्लियां हमेशा से मेरे दिल के बहुत करीब रही हैं। एक बिल्ली प्रेमी के रूप में मैंने खुद देखा है कि उन्हें मछली कितनी पसंद होती है। यही बात मुझे नई व्हिस्कास इंडियन फिश रेंज के बारे में सबसे अच्छी लगती है। लॉन्च के बारे में बात करते हुए, मार्स पेट न्यूट्रिशन की चीफ मार्केटिंग ऑफिसर आयशा हुडा ने कहा, भारत में पालतू जानवरों की देखभाल का तरीका तेजी से बदल रहा है, लेकिन बिल्लियों को क्या पसंद है, इसे लेकर कई परिवारों की सोच अभी भी पारंपरिक खाने की आदतों पर आधारित है। भारतीय घरों में मछली हमेशा से एक पसंदीदा और भरोसेमंद भोजन रहा है। इसी सोच से इस नए उत्पाद को तैयार किया गया है ।श्याम नायर, एग्जीक्यूटिव क्रिएटिव डायरेक्टर, 22फीट ने कहा, हमने ऐसी चीज से शुरूआत की जो लोगों के लिए जानी-पहचानी है।

होटल लिच्छवी विहार के विकास को लेकर होटल मौर्या और बिहार राज्य पर्यटन विकास निगम के बीच हुआ समझौता

मुजफ्फरपुर। बिहार के प्रतिष्ठित आतिथ्य संस्थान होटल मौर्या, पटना ने अपनी गौरवशाली विरासत को आगे बढ़ाते हुए उत्तर बिहार में विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया। इसी क्रम में होटल मौर्या एवं बिहार राज्य पर्यटन विकास निगम के बीच मुजफ्फरपुर स्थित होटल लिच्छवी विहार के विकास, संचालन एवं प्रबंधन को लेकर समझौता संपन्न हुआ। इस अवसर पर बिहार सरकार के पर्यटन मंत्री केदार प्रसाद गुप्ता मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। होटल मौर्या वर्षों से बिहार की आतिथ्य परंपरा का एक विश्वसनीय और प्रतिष्ठित नाम रहा है। अब उत्तर बिहार में अपने विस्तार के साथ होटल मौर्या क्षेत्र में पर्यटन, बेहतर आतिथ्य सेवाओं, रोजगार सृजन तथा आर्थिक गतिविधियों को नई गति देने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। होटल लिच्छवी विहार के आधुनिक विकास से मुजफ्फरपुर सहित पूरे उत्तर बिहार के पर्यटन को नई पहचान मिलने की उम्मीद है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पर्यटन मंत्री केदार प्रसाद गुप्ता ने कहा कि बिहार सरकार राज्य में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। सरकार द्वारा पर्यटन योजनाओं पर तेजी से काम हो रहा है। होटल मौर्या और बिहार राज्य पर्यटन विकास निगम की यह साझेदारी उत्तर बिहार के पर्यटन विकास को एक नई दिशा देगी। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ एक समझौता नहीं, बल्कि विश्वास, पारदर्शिता, सहयोग और विकास के प्रति साझा संकल्प का प्रतीक है। होटल मौर्या के प्रबंध निदेशक आदित्य प्रकाश सिन्हा ने कहा कि होटल मौर्या की पहचान केवल एक होटल ब्रांड के रूप में नहीं, बल्कि बिहार की आतिथ्य संस्कृति के प्रतीक के रूप में रही है।